वार्षिक रिपोर्ट

2012-13

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान

(आई आई आई टी डी **&** एम) कांचीपुरम

निदेशक की रिपोर्ट

संस्थान की स्थापना अभिकल्पना एवं विनिर्माण अभिमुखी अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग) शिक्षा तथा शोध के उत्कृष्ट केन्द्रों में से एक के रूप में वर्ष 2007 में की गई थी। तबसे संस्थान सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित अभिकल्पना एवं विनिर्माण अध्यापन एवं शोध में स्थिर एवं लगातार वृद्धि का साक्षी रहा है। इस समय संस्थान द्वारा नवीन स्नातक पूर्व पाठ्यक्रमों में बी.टेक. कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, बी.टेक. इलेक्ट्रानिक इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) तथा यांत्रिकी इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) में बी.टेक. की उपाधियॉ प्रदान की जा रही हैं। आज की तिथि तक स्नातक पूर्व छात्रों के तीन बैच दीक्षित होकर इसके प्रवेश द्वार से जा चुके हैं जिन्हें क्रमश: एम डी एम (2007 से प्रारंभ), ई डी एम (2008) तथा सी ओ ई (2009) में विशिष्टता प्राप्त है। सबसे पहले बैच तथा उसके बाद के बैच के छात्रों को प्रतिष्ठित अभिकल्पना एवं विनिर्माण आधारित कम्पनियों में स्थान मिल चुका है अथवा वे वैश्विक स्तर के संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। उद्योगों की मांग पर आधारित स्नातकपूर्व कार्यक्रमों को स्थापित करने के पश्चात् संस्थान द्वारा 2010 में अभिकल्पना (अभिकल्पना परास्नातक) नामक परास्नातक कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। रिपोर्ट की अवधि के दौरान संचार प्रणाली में एम. डेस. नाम के एक नवीन एवं नवोन्मेषी पाठ्यक्रम का प्रारंभ किया गया। एम.डेस कार्यक्रम यांत्रिकी प्रणाली अभिकल्पना, इलेक्ट्रानिक प्रणाली अभिकल्पना तथा संचार प्रणाली अभिकल्पना शाखाओं में प्रदान किए जाते हैं। संस्थान के परास्नातक छात्रों को कोर अभिकल्पना एवं विनिर्माण में विशिष्टता प्राप्त उद्योगों तथा शोध कार्यों में भी समाविष्ट कर लिया गया है। 2007 में हमारी शुरूआत 30 बी.टेक. छात्रों की एक छोटी कक्षा से हुई। तदुपरांत संस्थान में छात्रों की संख्या में वृद्धि चरणबद्ध ढंग से हुई। रिपोर्टगत वर्ष में 30 परास्नातक तथा 90 स्नातकपूर्व छात्रों ने आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम कुटुम्ब में अपनी सदस्यता प्राप्त की। आगामी वर्ष में बी.टेक. छात्रों की संख्या बढ़कर 120 हो जाएगी। स्थायी परिसर निर्माण गतिविधियों के माध्यम से इस चरणबद्ध वृद्धि को समायोजित किया जाएगा। रिपोर्ट की अवधि के दौरान छात्रों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने के लिए नवनिर्मित छात्रावास भवनों जैसमाइन एवं अशोक का हस्तांतरण किया गया। अभिभाषण भवन तथा प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्य जोर-शोर से चल रहे हैं तथा अनुमानित रूप से इनके 2013 में पूरा हो जाने की संभावना है।

संस्थान के खेल-कूद दल की उपलब्धियों को भी प्रमुखता से स्थान देने में मैं उतने ही हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ। इस दल ने हाल ही में सम्पन्न आई आई टी एम ग्वालियर द्वारा आयोजित खेल-कूद प्रतियोगिताओं में भाग लिया था । ट्वारैन 2013 में देश के आई आई आई टी संस्थानों तथा आई आई टी एवं एन आई टी संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया। संस्थान के खिलाड़ियों ने 6 स्वर्ण, 4 रजत तथा 2 कांस्य पदक प्राप्त कर पदकों की संख्या में समग्र रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया जो कि अत्यंत ही प्रशंसनीय है। संस्थान के अभिकल्पक क्लब द्वारा सांस्कृतिक तथा तकनीकी उत्सव समगाथा की तृतीय आवृत्ति का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। पूर्व वर्षों के मुकाबले समगाथा ने 2013 में

अन्तर महाविद्यालय स्तर प्रतियोगिताओं तक की परिपक्वता प्राप्त की और बाहरी छात्रों ने भी इसमें भाग लिया। इस उत्सव के अंगस्वरूप विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे इलेक्ट्रानिका, अनटैंगल, पंचतंत्र इत्यादि का आयोजन किया गया तथा उत्सव को पहले के वर्षो के मुकाबले कहीं अधिक सफलता प्राप्त हुई जिसमें अन्य महाविद्यालयों की प्रतिस्पर्द्धा का भी योगदान रहा। संस्थान का सामाजिक सेवा दल (एस एस जी) विभिन्न कार्यक्रमों तथा समारोहों का आयोजन समाज की सेवा करने के उद्देश्य से करता है। नि:शुल्क आंखों की जांच तथा चिकित्सीय जांच शिविरों का आयोजन स्थानीय अस्पतालों के सहयोग से समीप के क्षेत्र के निवासियों के लाभ हेतु किय गया। रिपोर्ट की अवधि के दौरान छात्र समिति का गठन किया गया। विधिवत् रूप से गठित छात्र विधान को सीनेट द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। तदोपरांत छात्र-समिति के विभिन्न स्कंधों जैसे कि शैक्षणिक मामलों, छात्रावास मामलों इत्यादि हेतु छात्र चुनावों का सफलतापूर्वक संचालन किया गया। यह समिति सांस्कृति उत्सव, छात्रावास मामलों इत्यादि जैसी गतिविधियों के संचालन कार्य का प्रभारी होगी और यह एक महत्वपूर्ण प्रारंभ है।

रिपोर्ट की अवधि के दौरान हुए नियोजनों में मेसेर्स बैली टेक्नोलॉजीस, मेसेर्स फ्लैक्सट्रानिक्स, मेसेर्स टी सी एस , मेसेर्स टैगूटेक इत्यादि द्वारा संस्थान का दौरा किया गया तथा हमारे छात्रों को समाविष्ट किया गया। हमारे कुछ छात्रों ने प्रतिष्ठित विदेशी संस्थानों में परास्नातक / शोध कार्यों (पी एच डी) हेतु प्रवेश प्राप्त किया है। छात्र समुदाय के लाभ हेतु संस्थान द्वारा अतिथि अभिभाषणों तथा औद्योगिक दौरों का आयोजन किया गया। रोबोक्टिक्स , साफ्टवेयर इंजीनियरिंग तथा ओ ओ प्रतिमानों पर व्याख्यानों का आयोजन किया गया।

संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं में लेख प्रकाशित किए गए हैं और प्रतिष्ठित सम्मेलनों में भाग लिया गया है तथा उन्हें वित्तपोषित परियोजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गयी है। संस्थान का शोध कार्य कार्यक्रम वर्ष 2009 में अपनी स्थापना के बाद जड़ पकड़ रहा है तथा वर्तमान समय में ऐसे लगभग 18 स्कालर हैं जो कि विभिन्न क्षेत्रों जैसे तीक्ष्ण द्रव्यों, वैद्युत व्युत्पत्तियॉ , वी एल एम आई, छाया प्रस्संकरण, ताप प्रणालियॉ इत्यादि में शोध कार्य कर रहे हैं। कुछ एक छात्र अपने शोध कार्य की समाप्ति की तरफ अग्रसर हैं। आगामी वर्षों में छात्रों की संख्या में वृद्धि होगी तथा संस्थान के प्रबंध के अंतर्गत अतिरिक्त संकाय संसाधनों की उपलब्धता होगी।

विगत वर्ष एक सफल वर्ष रहा है तथा आने वाले वर्ष में छात्रों के प्रवेश में वृद्धि, विभिन्न प्रकार के स्टाफ की भर्ती तथा संकाय स्तर की नियुक्तियॉ होंगी। छात्रों, स्टाफ तथा संकाय सदस्यों के समर्पित तथा प्रतिबद्ध प्रयासों को देखते हुए मुझे पूरा विश्वास है कि संस्थान आगामी वर्षों में शैक्षणिक, शोध कार्य सह तथा अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियों के सापेक्ष और अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

प्रोफेसर आर ज्ञानमूर्ति

संस्थान का प्रशासन

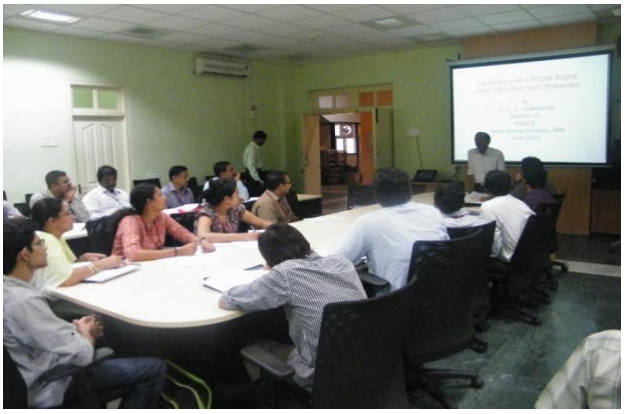

मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 2007 में स्थापित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान (आई आई आई टी डी एन्ड एम) कांचीपुरम तकनीकी शिक्षा एवं शोध कार्य हेतु उत्कृष्टता का केन्द्र है। प्रशासक मण्डल (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स) संस्थान के समग्र प्रशासन एवं प्रकार्य हेतु अत्तरदायी है। मण्डल का नेतृत्व एक अकार्यकारी सभापति द्वारा किया जाता है, जिनका चुनाव तीन वर्षों के लिए किया जाता है। मण्डल (तालिका 1) को संस्थान के विषय में योजना बनाने तथा सम्पादित करने संबंधी सभी गतिविधियों का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। मण्डल संस्थान की प्रमुख नीतियों, प्रशासन के नियम जिनमें प्राधिकार का प्रत्यायोजन भी शामिल है, भर्ती, सेवा शर्तें, वित्तीय प्रबंधन तथा प्रतिदिन के प्रशासन से संबंधित सभी अन्य मामलों का निर्धारण करता है।

संस्थान के वित्तीय प्रबंधन से संबंधित मामलों को वित्त समिति को भेजा जाता है। वित्त समिति लेखा की परीक्षा करती है तथा खर्च के लिए प्रस्तावों की जाँच-पड़ताल करती है और उसके बाद इनको अपनी टिप्पणियों के साथ अनुमोदन हेतु प्रशासक मण्डल के समक्ष प्रस्तुत करती है।

भवन एवं निर्माण - कार्य समिति संस्थान को निर्माण क्रिया - कलापों से संबंधित मामलों पर सलाह देती है। इस समिति को मण्डल का अनुमोदन प्राप्त हो जाने के पश्चात् सभी बड़ी पूंजी लागत वाले निर्माण - कार्यों को विकसित करने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इस समिति के पास यह शक्ति है कि इस उद्देश्य हेतु संस्थान में उपलब्ध अनुदान की सीमा के भीतर, सभी निर्माण कार्यों तथा अनुरक्षण एवं मरम्मत से संबंधित कार्यों हेतु आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृति एवं वित्तीय मंजूरी दे सकती है। यह समिति भवनों तथा अन्य दीर्घ निर्माण - कार्यों, लघु निर्माण - कार्यों, मरम्मत, अनुरक्षण तथा अन्य संबंधित लागत का आकलन तैयार करेगी। यह समिति प्रत्येक कार्य की जाँच-पड़ताल जैसा यह आवश्यक समझे करने हेतु उत्तरदायी होगी। इसके पास यह शक्ति होगी कि जो दरें निविदाओं में नहीं दी गयी हैं उन्हें निश्चित करें तथा ठेकेदारों के दावों एवं निविदावों का निपटारा करे। वित्तीय एवं भवन तथा निर्माण - कार्य समिति के सदस्यों की सूची क्रमश: तालिका 2 एवं 3 में दी गयी है।

तालिका 1 संस्थान की प्रशासक मण्डल

श्री आर शेषसाई, सभापति

कार्यकारी सह सभापति , मेसेर्स अशोक लेलैंड

श्री एस के प्रभाकर आई ए एस सचिव सरकार सूचना प्रौद्योगिकी विभाग तमिलनाडु सरकार	श्री आर सी मीना आर्थिक सलाहकार (एच ई) एम एच आर डी
श्री टी रामस्वामी सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार	प्रोफेसर भास्कर राममूर्ति निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के आर राव प वि से मे अ वि से मे वि से मे हैदराबाद	डॉ के वी इस्साक सदस्य सचिव ए आई सी टी ई
श्री दीपक पुरी सभापति एवं प्रबंध निदेशक मेसेर्स मोजर बेयर लिमिटेड	प्रो. अशोक झुनझुनवाला वैद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
प्रोफेसर एस नारायणन यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	श्री ओंकार सिंह कंवर सभापति मेसेर्स अपोलो टायर्स लिमिटेड
प्रोफेसर डेविड कोइल पिल्लै वैद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	प्रोफेसर आर ज्ञानमूर्ति भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान कांचीपुरम

तालिका 2 संस्थान की वित्तीय समिति

श्री आर शेषसाई, सभापति कार्यकारी सह-सभापति मेसेर्स अशोक लेलैंड	प्रोफेसर आर ज्ञानमूर्ति भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान कांचीपुरम
श्री नवीन साई निदेशक (वित्त) उच्च शिक्षा विभाग एम एच आर डी, सरकार विभाग	निदेशक उच्च शिक्षा विभाग एम एच आर डी सरकार विभाग
प्रोफेसर एस नारायणन सेवा निवृत्त प्रोफेसर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	प्रोफेसर एम साम्बशिवम उप कुलसचिव (वित्त एवं प्रशासन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
सचिव श्री ए चिदम्बरम उप कुल सचिव (लेखा) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान कांचीपुरम	

तालिका 3 संस्थान की भवन एवं निर्माण-कार्य समिति

प्रोफेसर आर ज्ञानमूर्ति, सभापति निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान कांचीपुरम	निदेशक, उच्च शिक्षा विभाग एम एच आर डी, भारत सरकार
प्रोफेसर नारायणन सेवा निवृत्त प्रोफेसर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	श्री आर आरमुगम पर्यवेक्षक अभियंता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
श्री राजीव शर्मा पर्यवेक्षक अभियंता (वैद्युत) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग	सचिव श्री ए माणिक्कवासगम परामर्श अभियंता (सिविल) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पना एवं विनिर्माण संस्थान कांचीपुरम

तालिका 4 संस्थान की सीनेट

प्रोफेसर आर ज्ञानमूर्ति, निदेशक - सभापति	
प्रोफेसर एस नारायणन यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	प्रोफेसर के श्रीधरन वैद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
प्रोफेसर एस शांता कुमार एयरोस्पेस अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	डॉ रघु वी प्रकाश यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
प्रोफेसर के चन्द्रशेखरन (सेवानिवृत्त) अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नै	डॉ नितिन चन्द्रचूडन वैद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
प्रोफेसर पी चन्द्रमौलि यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	प्रोफेसर वी कामकोटि कम्प्यूटर विज्ञान & अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
प्रोफेसर बी शिवासेल्वन सहायक प्रोफेसर कम्प्यूटर विज्ञान & अभियांत्रिकी विभाग	डॉ शंकर बालचन्द्रन कम्प्यूटर विज्ञान & अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
प्रोफेसर नीलेश वासा अभियांत्रिकी अभिकल्पना विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	डॉ बिन्सु जे कैलाथ सहायक प्रोफेसर वैद्युत अभियांत्रिकी विभाग
प्रोफेसर जी थनिगैअरसु अन्ना विश्वविद्यालय चेन्नै	डॉ एम श्रीकुमार सहायक प्रोफेसर यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
प्रोफेसर प्रदीप वाई याम्मियवर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी	डॉ नूर मोहम्मद वार्डेन, पुरुष छात्रावास
प्रोफेसर आर रामानुजम गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नै	डॉ के सेल्वज्योति वार्डेन, कन्या छात्रावास
प्रोफेसर हरिशंकर रामचन्द्रन वैद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास	

उद्योग विशेषज्ञ	
डॉ रविकिशोर बी एच सी एल इन्फोसिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड चेन्नै डॉ एम सत्यप्रकाश अशोक लेलैण्ड, चेन्नै	डॉ सी मथिअलगन सी ई ओ मार्केट आई जापान एवं एम के टेक भारत

संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के संचालन संबंधी मामलों को सीनेट में भेजा जाता है। सीनेट का कार्य संस्थान को नए शैक्षणिक व शोध - कार्य कार्यक्रमों को आरंभ किए जाने , पाठ्यक्रम संरचना, परीक्षा का संचालन तथा श्रेणीकरण प्रणाली, छात्र तथा अन्य सभी शैक्षणिक मामले जो समय - समय पर उठते रहते हैं, पर सलाह देना है। संस्थान अपनी सभी गतिविधियों में उच्चतम स्तर को बनाए रखने के लिए, सतत पुर्निवेशन तथा पुनर्विचार आधारित अभिगम व्यवहृत करता है। अध्यापन एवं शोध- कार्य को बराबर महत्व दिया जाता है तथा छात्र, संकाय एवं स्टाफ के सदस्यों को बेहतर ऊँचाईयॉ प्राप्त करने हेतु लगातार प्रेरित किया जाता है। सीनेट के सदस्यों की सूची तालिका 4 पर दी गई है।

प्राधिकारियों की बैठकें

मंत्रालय एवं संस्थान द्वारा गठित विभिन्न समितियॉ संस्थान की शैक्षणिक, शोध-कार्य एवं विकास संबंधी गतिविधियों पर नियंत्रण रखती है तथा उन पर परामर्श देने का कार्य करती है, ताकि कल्पित उद्देश्यों एवं आदेशों की प्राप्ति संभव हो सके तथा संस्थान सही दिशा में प्रगति करता रहे। समितियों की बैठकें नियमित रूप से होती हैं तथा उन्हें महत्वपूर्ण घटनाओं, नए स्नातक कार्यक्रमों के प्रवर्तन तथा भविष्य की कार्य योजनाओं से अवगत कराया जाता है। रिपोर्ट के दौरान बीते वर्ष की अवधि में हुई समितियों की बैठकों की सूची तालिका 5 में दी गयी है-

तालिका 5 विभिन्न समितियों के बैठकों की अनुसूची

प्रशासक मण्डल	16.07.2012	27.09.2012	27.12.2012	14.02.2013
वित्त समिति	16.07.2012	27.09.2012	27.12.2012	
भवन एवं निर्माण कार्य समिति	12.07.2012	17.12.2012	12.02.2013	
सीनेट	27.06.2012	02.11.2012	27.03.2013	

शैक्षणिक कार्यक्रम

संस्थान द्वारा चलाए जा रहे स्नातकपूर्व कार्यक्रमों में प्रवेश का आधार अब तक ए आई ई ई ई परीक्षाओं में प्राप्त अखिल भारतीय रैंक (ए आई आर) रहा है। मंत्रालय के हाल के निदेशों को आगे बढ़ाते हुए, अब आगे से प्रवेश का आधार अर्हक परीक्षा (एच एम सी) तथा जे ई ई (मुख्य) परीक्षा को मिलाकर निकाला गया कट ऑफ अंक होगा। भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नियमों का अनुपालन किया जाता है। विभिन्न स्नातकपूर्व कार्यक्रमों के लिए परामर्श का कार्य केन्द्रीय परामर्श परिषद (सी सी बी) द्वारा किया जाता है। अब आगे से यह कार्य केन्द्रीय स्थान आवंटन परिषद द्वारा किया जाएगा। हमारा संस्थान इन परीक्षाओं में भागीदार संस्थान तथा रिपोर्टिंग केन्द्र दोनों के रूप में काम करेगा। केन्द्रीय परामर्श परिषद (सी सी बी) की सूची में सम्मिलित विभिन्न राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों , भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा अन्य संस्थाओं में अस्थायी प्रवेश के प्रस्ताव छात्रों को जारी किए गए। 2011-12 के सी सी बी प्रवेशों का समन्वय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान सूरतकल द्वारा किया गया तथा रिपोर्टिंग केन्द्र के रूप में संस्थान के प्रयासों को अन्य साझीदारों तथा सी सी बी द्वारा सराहा गया।

वर्तमान में संस्थान द्वारा 4 वर्षीय बी.टेक. कार्यक्रम यांत्रिकी अभियांत्रिकी (अभिकल्पना एवं विनिर्माण), कम्प्यूटर अभियांत्रिकी तथा इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) में द्विवर्षीय एम डिजाइन कार्यक्रम इलेक्ट्रानिक सिस्टम्स डिजाइन, संचार प्रणाली अभिकल्पना तथा यांत्रिकी प्रणाली अभिकल्पना में तथा शोध-कार्य कार्यक्रम अभियांत्रिकी / सम्बद्ध खण्डों के अन्तरविषयिक क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान स्नातकपूर्व अन्तर्ग्रहण 20 से बढ़कर 30 हो गया। आगामी वर्षों में आधारभूत ढांचे के निर्माण के साथ इसमें चरणबद्ध ढंग से वृद्धि होगी। बी.टेक. कार्यक्रमों ने उच्च श्रेणी वाले ए आई ई ई ई छात्रों को आकृष्ट किया है तथा अभिकल्पना केन्द्रित अभियांत्रिकी पाठ्यक्रमों के लिए भी प्रशांसा प्राप्त की है। हाल के छात्रों का बैच जो 2013 में दीक्षित हुआ ने कोर कम्पनियों में स्थान पाने में सफलता दर्ज की तथा कुछेक ने विदेशी प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में उच्चतर अध्ययनों में प्रवेश प्राप्त किया।

संस्थान के सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों ने ' करो और सीखो ' का सिद्धांत ग्रहण किया है। आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम में जिन तरीकों से अध्यापन किया जाता है, उनमें प्रयोगात्मक अधिगम का प्रयोग करके ऐसे अभिकल्पना अभियंताओं को तैयार किया जाता है जो अपने-अपने अभियांत्रिकी खण्डों में अनुभव के आधार पर सिद्धहस्त होते हैं।

अभ्यास आधारित पाठ्यक्रमों को अधिक महत्व एवं प्रमुखता दी जाती है तथा अधुनातन हार्डवेयर, साफ्टवेयर तथा अन्य सुविधाओं का प्रवर्तन किया जाता है। गणना-कार्य मशीनरी संगठन (ए सी एम) आधारित कम्प्यूटर अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम और अधिक इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी पाठ्यक्रमों को पेश करता है और अब से आगे ऐसे अभियंताओं को तैयार करेगा जिनमें निपुण हार्डवेयर, साफ्टवेयर अंतरक्रियात्मक तथा बुद्धिमत्तापूर्ण उत्पाद अभिकल्पना तथा विकास का कौशल होगा। आई आई आई टी डी & एम के कम्प्यूटर एवं इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) के स्नातकों को उभरते हुए क्षेत्रों जैसेकि अंत:स्थापित प्रणालियों, वी एल एस आई अभिकल्पना, मानव कम्प्यूटर अंतरक्रिया, पावर इलेक्ट्रानिक्स, नियंत्रण एवं यंत्र विन्यास में विस्तृत अनावरण प्रदान किए जाने के फलस्वरूप वे जटिल इलेक्ट्रानिक प्रणालियों और उपप्रणालियों की अभिकल्पना एवं विकास में प्रवीण होंगे। यांत्रिकी अभियांत्रिकी के स्नातक परंपरागत यांत्रिकी अभियांत्रिकी क्षेत्रों के अतिरिक्त संवेदकों, नियंत्रकों, इलेक्ट्रानिक्स तथा स्वचालन के कौशलों में अभ्यस्त हस्तों से सुसज्जित होंगे। पाठ्यक्रम में अभियांत्रिकी अनुरूपण पाठ्यक्रमों को मानस दर्शन कौशलों में वृद्धि करने हेतु शामिल किया गया है तथा हमारी प्रयोगशालाएं उच्च शिरा कार्य-स्थलों तथा शक्तिशाली अनुरूपण साफ्टवेयरों से सुसज्जित हैं।

नवीन परास्नातक (एम.डेस.) कार्यक्रम

आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम अभिकल्पना एवं विनिर्माण शिक्षा एवं शोध-कार्य में उत्कृष्टता

हासिल करने के आदेश-पत्र के साथ कार्य करता है। सुस्थापित नवीन परास्नातक पाठ्यक्रम के साथ संस्थान ने नवोन्मेषी द्विवर्षीय परास्नातक पाठ्यक्रम 2010 में प्रवर्तित किया । एम.डेस.(मास्टर ऑफ डिजाइन) इस समय संचार प्रणाली अभिकल्पना, यांत्रिकी प्रणाली अभिकल्पना तथा इलेक्ट्रानिक प्रणाली अभिकल्पना में प्रस्तुत किए गए हैं। आई आई आई टी डी & एम के एम.डेस. कार्यक्रमों का लक्ष्य यांत्रिकी तथा वैद्युत / इलेक्ट्रानिक्स अभियंताओं को यांत्रिकी तथा इलेक्ट्रानिक्स उत्पादों की अभिकल्पना तथा विकास के लिए अपेक्षित अभिकल्पना कौशलों में विशिष्टता प्रदान करना है। परास्नातक अभियांत्रिकी अभिकल्पना कार्यक्रम का पाठ्यक्रम नवोन्मेषी उत्पाद अभिकल्पना के लिए अपेक्षित अभिकल्पना चिंतन तथा कोर अभियांत्रिकी विषयों का ऐसा मिश्रण है जिसे विभिन्न अभिकल्पना केन्द्रों , प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों जैसे कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों , भारतीय विज्ञान संस्थानों इत्यादि तथा प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञों ने सृजित किया है तथा जिसे यांत्रिकी तथा इलेक्ट्रानिक प्रणालियों में विशिष्टता प्राप्त है। एम.डेस. कार्यक्रम निपुण, प्रभावशाली तथा वांछित मानव कम्प्यूटर अंतरक्रिया, मानस दर्शन तथा सूचना आकाशों में नौगमन , समयाधारित सूचना अभिकल्पना तथा विभिन्न विषयों के मध्य सहयोगी अभिकल्पना अभ्यास को बढ़ावा देते हैं।

आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम से दीक्षा प्राप्त एम.डेस. अभियंता एनलॉग और डिजिटल इलेक्ट्रानिक्स आई सी कम्पनियों , अंत:स्थापित प्रणाली व्यवसायों, स्वचालित अभिकल्पना, उपभोक्ता उत्पाद अभिकल्पना एवं विनिर्माण उद्योगों में अवसर तथा सार्थकता प्राप्त कर सकेंगे। संचार प्रणाली कार्यक्रम में एम.डेस. का प्रस्तावित पाठ्यक्रम संस्थान के 'करो और सीखो' उद्देश्य के अनुसार होगा तथा कोर पाठ्यक्रमों के अंगस्वरूप समर्पित अभ्यास सत्र चलाए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य संचार तथा हार्डवेयर अभियंताओं के मध्य की दूरी को कम करना है। इसे संचार उद्योग के लिए उत्पाद / घटक अभिकल्पना पहलुओं को प्रदान करके किया जाएगा ताकि अगली पीढ़ी के संचार शिल्पतंत्री तैयार किए जा सकें।

प्रस्तावित एम.डेस. पाठ्यक्रम में उत्पाद अभिकल्पना उपकरणों / विषयों पर केन्द्रित अतिरिक्त अवधारणात्मक अभिकल्पना पाठ्यक्रम है। उत्पाद अभिकल्पना सिद्धांत तथा सुसंगत प्रयोगशाला पाठ्यक्रम कोर पाठ्यक्रमों के पूरक हैं तथा पाठ्यक्रम में अपेक्षित अभिकल्पना स्वाद को समावेशित करते

हैं। वैद्युतचुम्बकीय अवरोध तथा संगतता एवं आर एफ सर्किट से संबंधित प्रकरणों पर सिद्धांत एवं अभ्यास पाठ्यक्रमों के द्वारा पर्याप्त प्रकाश डाला जाता है। इससे आगे डिजिटल सिग्नल तथा बेहतरीन प्रक्रियाओं से संबंधित विषयों / अवधारणाओं को भी प्रभावशाली ढंग से पाठ्यक्रम में पढ़ाया जाता है। यह कार्यक्रम अपनी तरह का पहला कार्यक्रम होगा जो अभिकल्पना केन्द्रित संचार प्रणालियों में पदवी प्रदान करेगा तथा आधुनिक समय में आगामी पीढ़ी की प्रौद्योगिकी जैसे कि 3 जी , 4 जी इत्यादि में प्रशिक्षित मानव बल की मांग को पूरा करेगा।

संचार प्रणाली में एम.डेस. का प्रारंभ अगस्त 2012 से प्रारंभ शैक्षणिक सत्र से किया गया। वृद्धि प्राप्त संचारण बैण्डविथ की लगातार मांग को देखते हुए हाल के समय में आधुनिक संचार प्रणालियों में तीव्र तकनीकपरक निवारण / परिवर्तन आए हैं। यह क्षेत्र रोजगार के अवसरों से भरा पड़ा है और इसे सबसे तेज गति से बढ़ते हुए / फैलते हुए तकनीकीपरक क्षेत्र के रूप में माना जाता है। भारत ने साफ्टवेयर तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तीव्र प्रगति की है। इसके बावजूद इलेक्ट्रानिक हार्डवयर क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक उपकरणों तथा तकनीकीपरक ज्ञान से सुसज्जित गुणवत्तापूर्ण मानव बल की भारत में कमी है। आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम का संचार प्रणालियों में प्रस्तावित एम.डेस. पाठ्यक्रम डिजिटल संप्रेषण तथा संचार संजाल, पी सी बी तथा अंत:स्थापित प्रणाली अभिकल्पना, वी एल एस आई / एफ वी जी ए अभिकल्पना तथा वेरीलॉग कार्यान्वयन को पर्याप्त व्याप्ति के साथ पाठ्यक्रमों में शामिल करके उद्योग संबंधी आवश्यकताओं के प्रति एक संतुलित अभिगम को अपनाता है।

प्रभाव क्षेत्र विशिष्ट अभिकल्पना में प्रवीणता, अभियांत्रिकी कौशल तथा अपेक्षित प्रबंधकीय निपुणता के साथ हमारे स्नातक वाणिज्यिक रूप से सफल इलेक्ट्रानिक्स अथवा यांत्रिकी उत्पादों की अभिकल्पना एवं विनिर्माण में लगे हुए संगठनों की ठेकेदारी का जिम्मा ले सकते हैं।

शोध-कार्य क्रार्यक्रम (पी एच डी)

संस्थान ने 2009 में पी एच डी कार्यक्रम में छात्रों को प्रवेश देना प्रारंभ किया। वर्तमान में 18 शोध-कार्य छात्र डाक्टोरेट की डिग्री प्राप्त करने के लिए कम्प्यूटर विज्ञान, यांत्रिकी तथा विद्युत एवं इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विषयों में काम कर रहे हैं। अंतरविषयी शोध-कार्य कार्यक्रम जिससे पी एच डी

की उपाधि प्राप्त की जाती है, कम्प्यूटर, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक्स, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, भौतिक शास्त्र एवं गणित में उपलब्ध हैं। संस्थान के सभी संकाय सदस्य विभिन्न संस्थानों से उत्तम शैक्षणिक तथा शोध-कार्य रिकार्ड के साथ डाक्टोरल पदवी धारक हैं तथा वे प्रायोजित शोध-कार्य तथा औद्योगिक परामर्श कार्य में लगे हुए हैं। पी एच डी छात्रों का विषयवार विवरण नीचे दी गयी तालिका 6 में दिया हुआ है-

तालिका 6 डाक्टोरल छात्रों की नामावली विषय संख्या

DISCIPLINE	COUNT
कम्प्यूटर विज्ञान	03
इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक्स	05
गणित	03
यांत्रिकी	05
भौतिकी	02
कुल	**18**

छात्र अन्तर्ग्रहण 2012 -13

संस्थान द्वारा प्रस्तुत स्नातकपूर्व बी टेक कार्यक्रमों में प्रवेश का आधार अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (ए आई ई ई ई) में अखिल भारतीय रैंक है जबकि एम डेस में प्रवेश जी ए टी ई (गेट) सीड अंकों पर तथा संस्थान द्वारा लिए जाने वाले परीक्षण / साक्षात्कार पर आधारित है। संस्थान केन्द्रीय परामर्श परिषद (सी सी बी) का अंग है। सी सी बी सभी एन आई टी , आई आई आई टी तथा अन्य सभी संस्थान जो इसके पास पंजीकृत हैं, उनके लिए प्रवेश परामर्श का आयोजन करता है। हाल ही में 2012 के लिए प्रवेशों में संस्थान की तीन शाखाओं में से प्रत्येक में छात्रों का अन्तर्ग्रहण बढ़कर 30 हो गया जिसे आगे एक चरणबद्ध ढंग से बढ़ाया जाएगा। संस्थान नामावली पर उपलब्ध स्नातकपूर्व तथा परास्नातक छात्रों की संख्या तालिका 7 एवं 8 में दी गयी है -

तालिका 7 छात्र अन्तर्ग्रहण 2009 - 12

शाखा	2009	2010	2011	2012	कुल
बी टेक कम्प्यूटर इंजीनियरिंग	19	20	24	29	92
बी टेक इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग (डी एण्ड एम)	18	19	26	30	93
बी टेक यांत्रिकी इंजीनियरिंग (डी एण्ड एम)	19	19	25	29	92
एम डेस संचार प्रणाली अभिकल्पना (सी एस डी)	-	-	-	06	06
एम डेस यांत्रिकी प्रणाली अभिकल्पना (एम एस डी)	-	-	8	12	20
एम डेस इलेक्ट्रानिक प्रणाली अभिकल्पना (ई एस डी)	-	-	8	12	20
कुल योग					323

सभी तीन विषयों में से प्रत्येक में स्वीकृत छात्र संख्या 20 थी , जिसे प्रशासक मण्डल तथा सीनेट की मंजूरी से बढ़ाकर 30 कर दिया गया है। स्नातकपूर्व तथा परास्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश वार्षिक आधार पर किए जाते है जबकि पी एच डी में प्रवेश दो वर्ष में एक बार दिया जाता है।

छात्रों हेतु वित्तीय सहायता

छात्रवृत्तियॉ

संस्थान द्वारा निम्नलिखित छात्रवृत्तियॉ प्रदान की जाती है-

1. **योग्यता व आय छात्रवृत्ति (एम सी एम)**
   प्रति माह 1000/- की छात्रवृत्ति उन बी टेक छात्रों को दी जाती है जिनके माता-पिता की आय 4.5 लाख रुपये से कम है। इसके अतिरिक्त उन्हें शिक्षण शुल्क अदायगी से भी मुक्ति दी जाती है।
2. **अनुसूचित जाति / जनजाति छात्रवृत्तियॉ**
   बी . टेक . काय्रक्रमों में प्रवेश पाए हुए उन छात्रों को जिनके माता-पिता की आय 4.5 लाख रुपये से कम है वे भोजनालय प्रभार से मुक्त हैं तथा उन्हें छात्रावास सीट का किराया देने से भी मुक्ति दी जाती है । उन्हें जेब खर्च के लिए भी 250/- प्रति माह दिए जाते हैं। इसके अलावा उन्हें शिक्षण शुल्क की अदायगी से भी मुक्ति दी जाती है।
3. **संस्थान मुक्त छात्रवृत्ति (आई एफ एस)**
   संस्थान मुक्त छात्रवृत्ति उन बी.टेक. छात्रों को प्रदान की जाती है जिनके माता-पिता की आय 4.5 लाख रुपये से कम है। उन्हें केवल शिक्षण शुल्क की अदायगी से मुक्ति प्राप्त है।
4. **अनुसूचित जाति के बी.टेक. छात्रों हेतु उच्च श्रेणी शिक्षा में केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना -**
   के अंतर्गत ऐसे छात्रों के लिए जिनके माता-पिता की आय 4.5 लाख रुपये से प्रति वर्ष से कम है सामाजिक न्याय तथा सशक्तीकरण मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जाति के बी.टेक. छात्रों हेतु उच्च श्रेणी शिक्षा में केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत 10 छात्र-वृत्तियॉ स्वीकृत की गयी है।
   योजनांतर्गत लाभ
   - 2220/- प्रति माह प्रति छात्र की दर से निवास एवं भोजन प्रभार अथवा वास्तविक खर्च या इनमें से जो भी कम हो ।
   - आधुनिक कम्प्यूटर सिस्टम सभी आवश्यक पुर्जों जैसे यू पी एस, प्रिंटर, मल्टी मीडिया इत्यादि के साथ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के अध्ययन की अवधि हेतु जिसकी सीमा प्रति छात्र 45000/-तक होगी।
   - पुस्तकें तथा लेखन सामग्री 3000/- प्रति माह प्रति छात्र की दर से अथवा वास्तविक खर्च या इनमें से जो भी कम हो ।

5. **अनुसूचित जन जाति के बी . टेक . छात्रों के लिए उच्च श्रेणी शिक्षा में केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना** - ऐसे छात्रों के लिए जिनके माता-पिता की आय 2 लाख रुपये प्रति वर्ष से कम है जनजाति मामले मंत्रालय द्वारा अनुसूचित जनजाति के बी.टेक. छात्रों हेतु उच्च श्रेणी शिक्षा में केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत 05 नए स्थानों की स्वीकृति प्रदान की गई है।

   योजनांतर्गत लाभ

   - 2220/- प्रति माह प्रति छात्र की दर से निवास एवं भोजन प्रभार अथवा वास्तविक खर्च या इनमें से जो भी कम हो ।
   - आधुनिक कम्प्यूटर सिस्टम सभी आवश्यक पुर्जों जैसे यू पी एस, प्रिंटर, मल्टी मीडिया इत्यादि के साथ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के अध्ययन की अवधि हेतु जिसकी सीमा प्रति छात्र 45000/-तक होगी।
   - पुस्तकें तथा लेखन सामग्री 3000/- प्रति माह प्रति छात्र की दर से अथवा वास्तविक खर्च या इनमें से जो भी कम हो ।

6. **अन्य छात्रवृत्तियॉ**

   अब तक प्रदान की गयी छात्रवृत्तियों का शैक्षणिक वर्षवार विवरण तालिका 7 में दिया गया है। आधे समय का अध्यापन / शोध कार्य सहायता (एच टी टी ए / एच टी आर ए) संस्थान के एम .डेस. / पी एच डी छात्रों को प्रदान किया जाता है। एम .डेस. छात्रों को 8000/- प्रति माह की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जबकि पी एच डी छात्रों को क्रमश: 18000/- रुपये की एच टी आर ए (अभियांत्रिकी) में अथवा 16000/- की (विज्ञान) में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

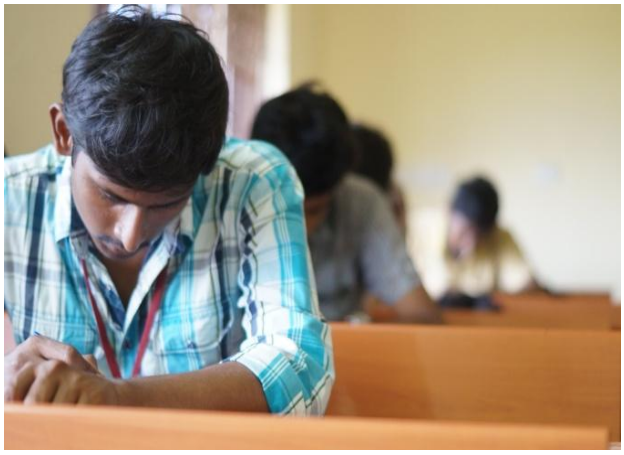

तालिका 8 आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम के छात्रों की सूची

श्रेणी	2009-10		2010-11		2011-12			2012-13			योग
	बी.टेक	पी.एच.डी	बी.टेक	पी.एच.डी	बी.टेक	एम.डेस.	पी.एच.डी	बी.टेक	एम.डेस.	पी.एच.डी	
ओ पी	28	4	29	3	38	7	3	43	20	1	176
ओ पी - पी एच	1							1			2
ओ बी	15		15	1	20	7	1	23	6	2	90
आ बी - पी एच					1			1			2
एस सी	8	1	8	1	10	2		12	4	1	47
एस टी	4		4		5			6			19
एस सी - पी एच			1		1						2
एस टी - पी एच			1								1
दासा (बी टेक)								2			2
योग	56	5	58	5	75	16	4	88	30	4	341

तालिका 9 छात्रों को दी गयी छात्रवृत्ति (ब्यौरे)

डिग्री	बैच	प्रवेश प्राप्त छात्र	एम सी एस (1000/- प्रति माह) प्रवेश प्राप्त छात्रों का 25%	एस सी/ एस टी (250/- प्रति माह)	संस्थान मुक्त छात्रवृत्ति प्रवेश प्राप्त छात्रों का 10%
बी.टेक	2009-10	58	14	2	6
	2010-11	58	14	9	6
	2011-12	82	21	11	8
	2012-13	90	22	3	9
	अनुसूचित जन जाति के छात्रों के लिए उच्च श्रेणी शिक्षा में केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति जनजाति मामले मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत। 31 मार्च 13 तक 02 छात्र लाभान्वित।				
	अनुसूचित जाति के छात्रों हेतु उच्च श्रेणी शिक्षा में केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति सामाजिक न्याय तथा सशक्तीकरण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वीकृत। 31 मार्च 13 तक 10 छात्र लाभान्वित।				

+ - प्रवेश प्राप्त छात्रों का 10% * - प्रवेश प्राप्त छात्रों का 25%

छात्र शुल्क विवरण

संस्थान प्रशासक मण्डल द्वारा स्वीकृत शुल्क संरचना को लागू करता है। विभिन्न कार्यक्रमों के लिए शुल्क संरचना का विवरण तालिका 10 में दिया गया है।

तालिका 10 शुल्क संरचना

क्रमांक	विवरण	सत्र शुल्क राशि		
		बी.टेक	एम.डेस.	पी.एच.डी
अ. एकबारगी शुल्क				
1.	प्रवेश शुल्क	150	150	150
2.	श्रेणी कार्ड / थीसिस शुल्क	150	150	950
3.	अनंतिम प्रमाण-पत्र	100	100	100
4.	छात्र कल्याण निधि	200	200	200
5.	आधुनिकीकरण शुल्क	400	600	
6.	भूतपूर्व छात्र आजीवन सदस्यता शुल्क (एन एस)	500	500	500
7.	प्रकाशन शुल्क (एन एस)	250	250	250
	कुल अ.	1750	1950	2750
ब. सेमिस्टर शुल्क				
1.	ट्यूशन शुल्क	25000	5000	2500
2.	परीक्षा शुल्क	350	350	500
3.	पंजीकरण - नामांकन शुल्क	200	300	500
4.	जिमखाना	500	500	500
5.	चिकित्सा शुल्क	500	500	500
6.	छात्र सुविधाएं विषय व प्रयोगशाला व कम्प्यूटर सुविधा निधि (एन एस)	2000	2000	2500
	कुल ब.	28550	8650	7000
स. जमा राशि (प्रतिदेय)				
1.	छात्रावास जमा राशि	1000	1000	1000
2.	संस्थान जमा व पुस्तकालय जमा राशि (प्रत्येक 1000)	2000	2000	2000
	कुल स.	3000	3000	3000
द. प्रत्येक सत्र के लिए छात्रावास शुल्क एवं भोजनालय प्रभार				
1	छात्रावास प्रवेश शुल्क	100	100	100
2	छात्रावास सीट किराया	500	550	550
3	पंखा ,विद्युत एवं पानी प्रभार	300	300	300
4	छात्रावास रखरखाव प्रभार	6200	6150	6150
5	अग्रिम भोजन प्रभार	10000	10000	10000
	कुल द.	17100	17100	17100
क. चिकित्सा बीमा प्रीमियम (प्रति वर्ष)				
1	चिकित्सा बीमा प्रीमियम (प्रति वर्ष)	709	709	709
	कुल क.	709	709	709
छात्रावासी (अ+ब+स+द+क)		51109	31409	30559
दिवा छात्र (अ+ब+स2+द)		33009	13309	12459

सभी अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों को शिक्षा शुल्क के भुगतान से छूट मिलेगा

संस्थान द्वारा आयोजित शैक्षणिक / सह शैक्षणिक गतिविधियॉ

अभिमुखी कार्यक्रम प्रवेश- 2012

22 अगस्त 2012 को संस्थान का शैक्षणिक वर्ष बड़े उल्लास के साथ प्रारंभ हुआ। अभिमुखी कार्यक्रम का प्रारंभ निदेशक के स्वागत भाषण से प्रारंभ हुआ। आपने श्रोताओं को संस्थान के उद्देश्य लक्ष्य तथा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों / शैक्षणिक कार्यक्रम के महत्व के बारे में संक्षेप में बताया। संकाय समन्वयकों / विभिन्न् समितियों / गतिविधियों के प्रभारी अधिकारियों ने छात्रों को परिसर में उपलब्ध अनगिनत सुविधाओं , नियमों / विनियमों, संस्थान द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्तियों तथा संस्थान की आचरण संहिता के बारे में जानकारी दी। परिसर में जीवन, अतिरिक्त / सह शैक्षणिक गतिविधियॉ तथा शिक्षण पर वरिष्ठ छात्रों द्वारा अपने अनुभव बॉटे जाने का एक संक्षिप्त सत्र भी चलाया गया। कार्यक्रम की समाप्ति के बाद दस्तावेजों की जांच पड़ताल की गई तथा छात्रों के संस्थान तथा छात्रावासों में पंजीकरण हेतु अपेक्षित प्रशासनिक प्रक्रियाओं का अनुपालन किया गया । प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए नए वातावरण से अभ्यस्त होने हेतु इस कार्यक्रम ने एक अच्छे मंच की भूमिका अदा की।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान में 66 वॉ गणतंत्र दिवस समारोह नवीन उत्साह के साथ मनाया गया। संस्थान के सुरक्षा स्टाफ ने समारोह में सम्मान गारद पेश किया। इसके बाद निदेशक महोदय द्वारा तिरंगा फहराया गया। छात्रों तथा शोध -कार्य छात्रों द्वारा देशभक्ति से पूर्ण भाषण दिए गए तथा गीत गाए गए।

हिंदी दिवस समारोह

24 सितम्बर 2012 को संस्थान में हिंदी दिवस बड़े जोश से मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ हिंदी समन्वयक के स्वागत भाषण से हुआ। इसके बाद डॉ नूर मुहम्मद , डॉ तापस सिल तथा श्री ए चिदम्बरम द्वारा व्याख्यान दिए गए जिनमें हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।

मार्गदर्शन एवं परामर्श

नए आगंतुको के लाभ हेतु सितम्बर माह में मार्गदर्शन एवं परामर्श प्रकोष्ठ द्वारा तनाव प्रबंधन तथा 'महान मार्ग का द्वार' विषयों पर दो व्याख्यानों का आयोजन किया गया। श्री श्रीनिवासकृष्णन जो भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्र रह चुके हैं, ने 'महान मार्ग का द्वार' पर व्याख्यान दिया जबकि 'तनाव प्रबंधन' पर दूसरा व्याख्यान लेफ्टिनेंट कर्नल (सेवा निवृत्त) जयकुमार, निबंधक आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम द्वारा प्रस्तुत किया गया। श्रोताओं ने इन व्याख्यानों में उत्साहपूर्ण ढंग से भाग लिया एवं अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। छात्र व्यक्तित्व विकास के बारे में और अधिक जानने के लिए उत्सुक दिखाई पड़े तथा उनमें कठिन परिस्थितियों में अच्छे से अच्छा करने का निश्चय दिखाई दिया।

आई ई ई ई अन्वेषण अभिमुखी कार्य्रक्रम

23 मई 2012 के संस्थान पुस्तकालय द्वारा आई ई ई ई अन्वेषण (ऑनलाइन जर्नल डाटाबेस) पर एक यूजर अभिमुखी कार्य्रक्रम का आयोजन किया गया है। आई ई ई ई ग्राहक सेवाएं / विश्वविद्यालय साझेदारी कार्यक्रम प्रबंधक श्री धनुपट्टनशेट्टि ने अन्तर्क्रिया सत्र के दौरान छात्रों शोध कार्य छात्रों तथा संकाय सदस्यों को संक्षेप में इसके बारे में बताया तथा खोज स्त्रातजी पर इनसाइडर टिप्स एवं अधुनातन मूलय वर्द्धित फीचरों के लाभों के बारे में भी चर्चा की। इस सत्र में खोजों को सेव (संरक्षित) करने के

तरीकों, अलर्ट स्थापित करने, नए खोज इंजन का प्रयोग तथा अन्य वैयक्तीकरण फीचर्स के प्रयोग पर प्रकाश डाला गया। इस सत्र में उन्नत खोज विकल्पों, संशोधित खोज उपकरणों तथा आई ई ई ई अन्वेषण में मल्टीपुल क्राइटेरिया के माध्यम से खोजों में ड्रिल डाउन करना तथा रिफाइन करना इत्यादि विषयों पर भी चर्चा की गई।

दीक्षांत मध्याह्न भोजन

बहिर्गमित होने वाले बी. टेक. तथा एम. डेस. के अन्तिम वर्ष के छात्रों के लिए संस्थान द्वारा 18 मई 2012 को दीक्षांत मध्याह्न भोजन का आयोजन किया गया। आई आई आई टी डी & एम में अपने निवास के दौरान विभिन्न समारोहों एवं गतिविधियों के बारे में छात्रों ने अपने विचारों तथा अनुभवों को बॉटा । उनके कृतज्ञता से परिपूर्ण वचनों ने वातावरण को आनन्दपूरित भावों से भर दिया तथा हरेक ने मध्याह्न भोजन का आनंद एवं स्वाद जी भर कर लिया।

छात्रावास दिवस

पुरुष छात्रावास (बरगद) तथा महिला छात्रावास (कमल) में रहने वाले छात्रों ने प्रथम छात्रावास दिवस को बड़े ही शानदार ढंग से मनाया। समारोह के दौरान पुरुषों एवं महिलाओं के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों जिनमें खेल-कूद की गतिविधियॉ भी सम्मिलित हैं, का आयोजन किया गया। छात्रावास दिवस का समापन छात्रों तथा अन्य प्रतिनिधियों जिनमें संकाय तथा स्टाफ के सदस्य भी शामिल थे, एक शानदार समारोह के रूप

में हुआ। आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम के इतिहास में यह एक नई शुरुआत का प्रारम्भ है, जहाँ तक इस बैच का प्रश्न है इसे परम्परा डालने वाला बैच कहा जाएगा। यह एक अच्छी शुरुआत है तथा आगे इसके विकसित होने की आशा है ताकि भविष्य में पूर्ण आवासीय मूलभूत ढांचा के सृजन का कार्य सम्पन्न किया जा सके।

मार्गदर्शन

संस्थान की समाचारिका मार्गदर्शन अपने प्रचलन के दो वर्ष पूरी कर चुकी है। रिपोर्टगत अवधि में इसके चार अंक प्रकाशित किए जा चुके हैं। पत्रिका भारत के समकक्ष संस्थाओं / संगठनों के मध्य सूचना आदान-प्रदान हेतु एक उत्कृष्ट मंच का कार्य करती है तथा इसने संबंधित भागीदारों से अच्छा पुनर्निवेशन तथा प्रतिक्रिया प्राप्त की है। हमें विश्वास है कि इसकी पहुँच बढ़ेगी तथा हम आगामी वर्षों में इसके अंकों में वृद्धि के प्रति आशान्वित है क्योंकि संस्थान की गतिविधियों मे विस्तार हो रहा है।

औद्योगिक दौरों तथा अतिथि व्याख्यानों का आयोजन

औद्योगिक दौरों तथा अतिथि व्याख्यानों का आयोजन छात्रों , स्टाफ तथा संकाय समुदाय के लाभ हेतु संस्थान अकादमियों तथा उद्योगों से अपने विषयों में विशेषज्ञों के अतिथि व्याख्यानों तथा औद्योगिक दौरों का आयोजन, आवधिक आधार पर करता है।

A Quarterly of IIITD&M Kancheepuram

Volume 2, Issue 2
01.04.2012

Marg-Darshan

INSIDE THIS ISSUE

New M. Des.Programme 1
Samgatha Festival 1
PG Admissions 1
Award Giving Ceremony 1
Gym Inauguration 2
26th January Celebration 2
Hostel Day 2
Industrial Visit 2
Sports Achievements 3
Publications 3
Guest Lectures 3
Social Services 4
Research Activities 4
Adieu 4
Forthcoming Events 4

New M. Des. Programme

A novel M. Des. programme on Communication Systems has been approved by the Board of Governors of the Institute and shall be offered from August 2012. Courses on digital communication, communication networks, theory and lab course on PCB and embedded system design are included with sufficient coverage of VLSI/FPGA design and VERILOG implementation. Topics related to electromagnetic interference and compatibility, RF circuits, and design of communication products are adequately highlighted through theory and practice courses. Further issues/concepts related to digital signal and random processes are also effectively covered in the curriculum. Balanced curriculum provides required analytical/conceptual skills and product design expertise. The curriculum is focused on positioning India as a leader in communication technology and equipment manufacturing similar to the IT revolution of yesteryears. In blend with product design/prototyping courses, the programme would be unique of its type to meet the trends and demand of the present industrial scenario.

SAMGATHA @IIITD&M

Designers' club of IIITD&M Kancheepuram organized "SAMGATHA", an annual intra institute cultural and technical fest during March 30 to April 1, 2012 with great enthusiasm.
In its second edition, SAMGATHA evoked good response from the students of various streams. Various technical and cultural contests attracted with large number of registrations. Indian Bank and Robotech Labs were the main sponsoring agencies. Around twenty different cultural and technical events were conducted as part of the three day fest. The second edition has improved remarkably as evinced by registrations / quality of contests and was a grand success.

P G Admissions@ IIITD&M

The Institute invites applications for admission to M. Des. Programmes in Communication Systems, Electronic Systems and Mechanical Systems. M. Des. Programme at the Institute are of two year duration and are unique in the industry demand oriented curricula. Applications are also invited for admission to Ph. D. programmes in Computer, Electronics and Mechanical engineering in addition the Mathematics and Physics disciplines. For detailed information, interested students may check institute website or seek information at admissions@iiitdm.ac.in.

Felicitation Ceremony

The institute sports contingent performed exceedingly well at TWARAN 2012, a sports meet organized by IIITM Gwalior. The institute bagged 2 Gold, 9 Silver and 4 Bronze medals and recorded an impressive medals tally. Medal / Prize winners of the sports meet and Samgatha 2011 were felicitated by the Director Prof. R. Gnanamoorthy on 20/03/2012

Indian Institute of Information Technology Design and Manufacturing, (IIITD&M) Kancheepuram

MARG-DARSHAN

A Quarterly from IIITD&M Kancheepuram

01.01.2013
Volume 3, Issue 1

Inside this issue:

Jasmine Blossoms 1
Innovations 1
Industrial Visit 2
Recent Publications 2
Designer's Club 3
Freshie Night 3
Sports Activity 4
Guest Lectures 4
New Joinees 4
Forthcoming Events 4

Jasmine blossoms

The period under report saw completion of the construction activities of the Girls Hostel, Jasmine. It has a plinth area of 2876 m^2 with G + 2 structure and provide residential accommodation for the B.Tech, M.Des and Ph.D scholars. This augments the existing Hostels namely Lotus and Banyan and is another important milestone in the construction activities in the campus. There are 44 single rooms, 14 double rooms, and 2 Guest rooms along with Warden Office. In addition, Ground floor has ample space for Indoor games, Common Room, Library, Gymnasium, Reading room, Laundry etc.
The hostel has been designed to suit the norms of GREEN BUILDING concept and built as per modern specifications. All rooms with balcony are equipped with spacious cub-boards, cots, reading tables and chairs. Adequate rest rooms facility incorporating suitable provisions for differently abled are included in the barrier free design of the building. Ultimately, building would be G+ 13 storied.

Innovations and Product Design

Stroke patients who have lost their hands could find help in the form of pneumatic hand that can perform physiotherapy exercises. The stroke rehabilitation system consist of portable pneumatic kit, a hand made up of a lightweight frame and includes pneumatic actuator with compressor unit. It employs air from the compressor to operate the actuator to perform simple exercises. The system would trigger the brain signals of the stroke infected hand and gives you a normal living. A group of M. Des. students are working on this project.

औद्योगिक दौरे

1. **मेसर्स डैनफ्रास प्रशीतन, चेन्नै (26 दिसम्बर 2012)**

   छात्रों को वातानुकूलन तथा प्रशीतन उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले उत्पादों जैसे कि छननी सुखाने वाले, दबाव कट ऑफ स्विचें, सोलेनाइड वाल्व इत्यादि बहुत से विनिर्माण प्रक्रियाओं में अनावृत्त किया गया तथा इनको इन विषयों पर विशेष रूप से जानकारी दी गई। स्वचालित समूह पीतल का प्रयोग (टांके लगाना इत्यादि) स्विचों की परीक्षण प्रक्रियाएं , वातानुकूलन प्रणालियों का मनोमिति कक्षों में श्रेणीकरण, पुरजों की रासायनिक तथा यांत्रिकी असफलताओं संबंधी परीक्षणों को भी छात्रों को समझाया गया।

2. **मेसेर्स डेल्फी टी वी एस मन्नूर (12 मार्च 2012)**

   ईंधन प्रवेशन पम्पों के उत्पादन में प्रयोग की जाने वाली कई विनिर्माण प्रक्रियाओं को समझने में इस दौरे से सहायता मिली। कुछ चुनिंदा प्रकार के ईंधन प्रवेशन पम्पों का पूरी तरह से पुरजों को जोड़कर बैठाया जाना दिखाया गया। प्रवेशन नोजल्स की माइक्रो मशीनिंग में स्वच्छ कक्षों की भूमिका का अनुभव छात्रों द्वारा किया गया। बहुत सी स्वचालित विनिर्माण प्रक्रियाओं को भी समझाया गया।

3. **नाइवेली लिग्नाइट निगम (30 मार्च 2012)**

   नाइवेली लिग्नाइट निगम के खदानों तथा ताप विद्युत गृहों के दौरे का आयोजन किया गया। छात्रों बैच बनाकर उन्हें खुली हुई खदानों में ले जाया गया तथा खदान उपस्करों की संक्रिया उन्हें समझाई गयी। विद्युत् उत्पादन की विभिन्न प्रकियाओं तथा ऊर्जा संरक्षण की तकनीकों को उन्हें व्यावहारिक ढंग से समझाया गया। छात्रों को अपेक्षाकृत दीर्घाकार क्वथनित्रों, शीतलन इकाइयों, खुदाई यंत्रों तथा टरबाइनों इत्यादि को देखने का अवसर प्राप्त हुआ।

रिपोर्टगत अवधि के दौरान निम्नलिखित बाहरी विशेषज्ञों को आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम परिसर में व्याख्यान देने हेतु आमंत्रित किया गया।

1. **श्री अलगुसुन्दरम, कार्यक्रम प्रबंधक अमेजॉन.निगम** - द्वारा 11 सितम्बर 2012 को ओ ओ प्रतिमानों तथा साफ्टवेयर विकास में ओ ओ प्रतिमानों पर एक अतिथि व्याख्यान दिया गया। श्रोताओं ने कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के छात्र थे तथा व्याख्यान को छात्रों द्वारा हृदयंगम किया गया। छात्रों को इंटर्नशिप तथा नियोजन हेतु उद्योगों की कौशल अपेक्षाओं के बारे में भी संक्षिप्त जानकारी दी गयी।
2. **मेसर्स गीक टेक्नॉलजी के श्री बालाजी** - द्वारा 06 नवम्बर 2012 को रोबोटिक्स पर एक व्याख्यान दिया गया। मूगमूडि नाम का फिल्म में प्रयुक्त ह्यूमोनाइड रोबोट बनाने का कार्य आपके द्वारा ही किया गया था। इस क्षेत्र के अर्न्तविषयीय स्वभाव को देखते हुए व्याख्यान का श्रवण कम्प्यूटर , इलेक्ट्रानिक्स तथा यांत्रिकी इंजीनियरिंग के छात्रों द्वारा किया गया।
3. **बिट्स के योजक संकाय के श्री शंकर रमण** - द्वारा 18 अप्रैल 2013 को साफ्टवेयर इंजीनियरिंग उद्योग परिदृश्य पर एक व्याख्यान हमारे कम्प्यूटर इंजीनियरिंग छात्रों को दिया गया।

छात्रों की उपलब्धियॉ एवं क्रिया - कलाप

संमगाथा - संस्थान का वार्षिक सांस्कृतिक तथा तकनीकी महोत्सव का द्वितीय संस्करण बड़े धूम-धाम से मार्च 2013 में मनाया गया। विगत वर्ष तक यह समारोह संस्थान के भीतर तक ही सीमित था, इस वर्ष समगाथा 2013 ने छात्र समुदाय से बहुत ही अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त की, जिसमें विभिन्न तकनीकी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु बड़ी संख्या में पंजीकरण किया गया। कुछ तकनीकी कार्यक्रम जिनका मंचन किया गया, में एग्निनर्ड, इग्नोबेल, जिंदा तार, संहिताकरण, रोबोटिक्स इत्यादि तथा सांस्कृतिक वर्ग में कौलेज, वाद-विवाद, फोटोग्राफी, भूरे के रंग, लघु फिल्म निर्माण इत्यादि शामिल थे। इस वर्ष के संस्करण में कार्यक्रमों की संख्या में वृद्धि हुई तथा समारोह शानदार रूप से सफल रहा।

खेल-कूद गतिविधियॉ

संस्थान का खेल-कूद दल विभिन्न अन्तर तथा अत:संस्थान स्तर के खेल-कूद महोत्सवों तथा प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेता है। आई आई आई टी एम ग्वालियर द्वारा आयोजित वार्षिक खेल-कूद समारोह ट्वारन में संस्थान ने भाग लिया। इस वर्ष ट्वारन में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों तथा अन्य अभियांत्रिकी महाविद्यालयों को भी भाग लेने की अनुभूति दी गयी। संस्थान का प्रदर्शन बहुत ही शानदार रहा तथा पदकों की तालिका में 6 स्वर्ण, 4 रजत तथा 2 कांस्य मेडेल जीतकर समग्र रूप से समारोह में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। हमारे चार छात्रों को जिनके नाम निम्नलिखित हैं, अपने -अपने खेलों में

प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिना गया-

1.	आदित्य व्यास	प्रथम वर्ष	टेनिस
2.	सरवणकुमार	चौथा वर्ष	एथलेटिक्स
3.	श्रवण	द्वितीय वर्ष	टेबुल टेनिस
4.	अनिल कुमार	तृतीय वर्ष	वालीबाल

ट्वारन में जीते गए विभिन्न पदकों की विस्तृत सूची निम्नवत् है -

I. वालीबाल (पुरुष) - विजेता

II. टेबिल टेनिस (पुरुष) - रनर अप

III. चेस (पुरुष) - विजेता

IV. कैरम (पुरुष) - विजेता

V. स्क्वैश (पुरुष) - विजेता

VI. कैरम (महिला) - रनर अप

VII. एथलेटिक्स (पुरुष)

- 100 मीटर - स्वर्ण
- 400 मीटर - स्वर्ण
- 4x100 मीटर रिले - स्वर्ण
- 4x400 मीटर रिले - स्वर्ण
- मैराथन - स्वर्ण

VIII. एथलेटिक्स (महिला)

- 100 मीटर - रजत
- 400 मीटर - रजत
- 4x100 मीटर रिले - कांस्य
- 4x400 मीटर रिले - रजत
- मैराथन - कांस्य

संस्थान ने टेनपेसू (तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल-कूद विश्वविद्यालय) द्वारा आयोजित खेल-कूद प्रतियोगिताओं में क्रिकेट, वालीबाल तथा फुटबाल खेलों में भाग लिया एवं अधिकांश में क्वार्टर फाइनल स्तर तक स्थान प्राप्त किया। संमगाथा 2013 के एक अंग के रूप में एक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें टेनपेसू तथा संस्थान के छात्रों की बहुत अच्छी प्रतिक्रिया रही। 5 किलोमीटर की मैराथन दौड़ संस्थान के जैसमिन हास्टल से प्रारंभ तथा तक वापस में लगभग 200 प्रतियोगियों ने भाग लिया। आई आई आई टी डी & एम के प्रीमियर लीग के ध्वज तले अंत: संस्थान प्रतियोगिताओं का क्रिकेट तथा बास्केटबाल में आयोजन किया गया, जिन्हें छात्र समुदाय में काफी सफलता मिली तथा जिसमें संस्थान की स्पर्द्धा टीम ने काफी अच्छा योगदान दिया।

समाजिक सेवा समूह (एस एस जी) गतिविधियॉ

मेसेर्स वासन आई केयर के सौजन्य से, संस्थान परिसर में मुफ्त ऑखों की जांच शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान के स्टाफ, संकाय तथा छात्र समुदाय तथा आस-पास के निवासियों ने इसमें सक्रिय रूप से भागीदारी की । आई आई आई टी डी & एम के सामुदायिक योगदान के अंगस्वरूप, पर्यावरण जागरूक समूह (ई सी जी) स्वयंसेवकों ने 10 नवम्बर 2012 को अरिगनार अन्ना जैविक पार्क

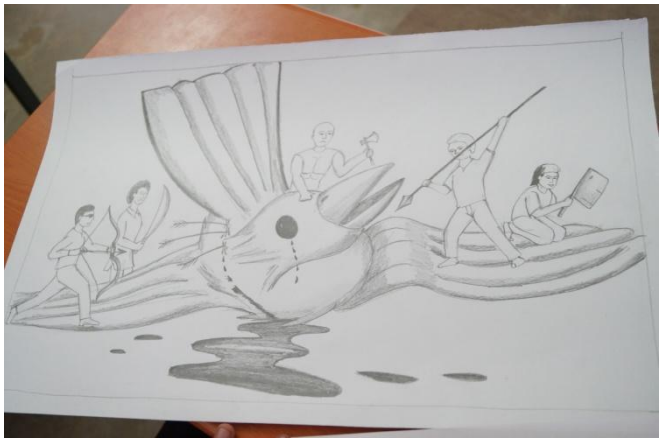

वन्डलूर से कूड़ा-करकट बीनने का कार्य किया। स्वयंसेवकों ने बड़े उत्साह से कार्य किया तथा बहुत सारी प्लास्टिक की ऐसी वस्तुएं जो स्वच्छन्द भ्रमण करते हुए पशुओं के लिए खतरनाक हो सकती है, उन्हें हटाया। स्वयंसेवकों के उत्साह तथा उनकी सेवा - भावना का वन्डलूर चिडियाघर के प्राणी वैज्ञानिक डॉ मणिमुडी द्वारा काफी प्रशंसा की गई। 23 फरवरी 2013 को ई सी जी समूह ने पॉच गॉवों में चलाए जा रहे पल्स पोलियो खुराक कार्यक्रम में स्वयंसेवक के रूप में भागीदारी की तथा कन्डीगै के आस-पास के गॉवों के बच्चों को टीके लगाए जिनमें कडम्बाक्कम, मेलैकोट्टियूर, कीरपाक्कम भी शामिल थे।

06 अप्रैल 2013 को टैगोर मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल के सहयोग से अध्यापन तथा ई सी जी स्वयंसेवकों द्वारा एक मुफ्त चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ जिनमें सामान्य दवा, स्त्री रोग विज्ञानी तथा नेत्र विज्ञानी भी शामिल थे, परामर्श हेतु उपलब्ध थे। शिविर में एक दवाखाना बनाया गया और डाक्टरों द्वारा बताई गई दवाईयों को मुफ्त बांटा गया।

ए जी चर्च कन्डिगै में ट्यूशनलेने के साथ ही एस एस जी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ तथा इस कार्यक्रम को दो सेमेस्टरों तक सफलतापूर्वक जारी रखा गया। कक्षा पांचवी से लेकर 12वीं क के छात्रों के लिए कम्प्यूटर कक्षाओं का आयोजन किया गया। इन कक्षाओं का आयोजन सिस्टम तथा प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला में प्रत्येक रविवार को सायं 4 से 6 बजे तक किया गया। जिन बच्चों ने इन कक्षाओं में अध्ययन किया उन्होंने कम्प्यूटर चलाना , एम एस वर्ड तथा एम एस पेन्ट एवं एम एस आफिस में काम करना सीखा। हमें पास के गॉव कंडिगै से आए हुए छात्रों से उत्साहवर्द्धक प्रतिक्रिया

प्राप्त हुई। रिपोर्टगत अवधि के दौरान छात्र समुदाय से प्रतिनिधियों द्वारा छात्र समिति का गठन किया गया, जो संस्थान में होने वाली सांस्कृतिक, तकनीकी, शैक्षणिक तथा छात्रावास गतिविधियों में सहायता प्रदान करती है। इसके बाद विभिन्न पदों जैसे महासचिव, शैक्षणिक मामले , छात्रावास संबंधी मामले, सांस्कृतिक मामले के लिए चुनाव 26-09-12 को अपराह्न 3 से 6 बजे के बीच सम्पन्न हुए । एक चुनाव अधिकारी (संकाय सदस्य) को निर्विघ्न, स्वतंत्र तथा स्वच्छ चुनाव संचालन की जिम्मेदारी दी गई तथा संकाय तथा स्टाफ सदस्यों के एक दल ने उनकी सहायता की। संस्थान के लिए यह एक नई शुरुआत थी तथा संपूर्ण प्रक्रिया को प्रजातांत्रिक ढंग से सफलतापूर्वक संचालित किया गया। आगामी वर्ष में ऑनलाइन मतदान प्रणाली की शुरुआत की गई ताकि छात्र चुनावों के संचालन में लगने वाले समय तथा प्रयास में कमी लाई जा सके। चुने हुए विभिन्न प्रतिनिधि सांस्कृतिक तथा तकनीकी महोत्सवों के आयोजन द्वारा संस्थान के हितों को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं।

नियोजन / अंतरंगवृत्ति

यांत्रिकी अभियांत्रिकी तथा इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग (अभिकल्पना एवं विनिर्माण) का 2012 के बैच ने अभिकल्पना एवं विनिर्माण में विशेषता प्राप्त कोर अभियांत्रिकी कम्पनियों में लगभाग 80% नियोजन दर्ज किया। जबकि 20% छात्रों ने उच्चतर अध्ययन हेतु विदेशी प्रतिष्ठि विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त किया। रिपोर्टगत अवधि के दौरान कम्पनियों ने भरती के लिए परिसर का दौरा किया। पात्र छात्रों में से लगभग 80% छात्रों को अब तक नियोजन प्राप्त हो चुका है तथा कुछ संख्या में छात्रों ने भारत तथा विदेशों में उपलब्ध परास्नातक तथा पी एच डी कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु आवेदन किया है। हमारे परिसर का दौरा करने वाली कम्पनियों द्वारा किए गए प्रस्तावों की संख्या तथा नियोजन सांख्यिकी का विस्तृत विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है। कुछ और कम्पनियों के इस रिपोर्ट की अवधि के बाद के समय में आने की संभावना है -

तालिका 12 2012-13 में दीक्षित छात्रों के विवरण

क्रम सं	कम्पनी का नाम	पेशकश
01	बैली टेक्नॉलजीस	08
02	टाटा कन्सल्टेन्सी सेवाएं (इंजीनियरिंग सेवाएं)	11
03	टर्बो एनर्जी	03
04	एम यू सिग्मा	04
05	फ्लेक्सट्रानिक्स	02
06	एस वी पी लेजर्स	01
07	एच एच वी पम्प्स	01
08	लार्सन एण्ड टर्बो	06
09	प्राइकॉल	07
10	इनफोटेक	01
11	विप्रो (प्रांगणेतर)	01

विदेशों में उच्चतर अध्ययन	भारत में उच्चतर अध्ययन (एम.टेक / पी.एच.डी)
जार्जिया तकनीकी विश्वविद्यालय	आई आई टी बाम्बे
इलिनोइस , नार्थ ईस्टर्न	आई आई एम तिरुचिरापल्ली
डल्लास में टेक्सास विश्वविद्यालय	आई एस बी हैदराबाद
परड्यू विश्वविद्यालय	आई आई टी हैदराबाद
अरिजोना स्टेट विश्वविद्यालय	आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम
कोलम्बिया विश्वविद्यालय	आई आई टी खड़गपुर
जार्जिया तकनीकी, आईरविन	यंग इंडिया फेलोषिप
मिन्नेसोटा विश्वविद्यालय, ट्विन सिटीज	
अरिजोना विश्वविद्यालय(टकसन)	
अरिजोना स्टेट विश्वविद्यालय	
सदर्न कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय	
फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	

उद्योग संस्थान अंतर्क्रिया

संस्थान विभिन्न संगत औद्योगिक भागीदारों के साथ विस्तृत अंतर्क्रिया को बढ़ावा देता है। छात्र अंतरंगवृत्ति ग्रीष्म परियोजनाओं से संबंधित अधोसूचित विभिन्न उद्योगों के साथ भी सहायोग करता है। संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में छात्र अपने ग्रीष्मावकाश के दौरान परियोजना कार्य का उत्तरदयित्व लेते हैं जो कि पाठ्यक्रम अपेक्षाओं के अंगस्वरूप अनिवार्य है। यह छात्रों को ठोस धरातलीय अनुभव प्राप्त करने में तथा अपने पाठ्यक्रमों प्राप्त धारणाओं में अधिकार प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होता है।

मार्गदर्शन परामर्श प्रकोष्ठ (जी सी सी)

संस्थान का मार्गदर्शन परामर्श प्रकोष्ठ जिसका समन्वयन संकाय, स्टाफ तथा छात्र सदस्यों द्वारा किया जाता है, छात्रों से संबंधित शैक्षणिक तथा शिक्षणेतर विषयों पर परामर्श देने में अत्यंत सक्रिय है। प्रकोष्ठ, छात्रों के एक समूह के लिए संकाय सलाहकारों को नियुक्त करता है, जो आई आई आई टी & एम में अपने निवास के दौरान छात्रों द्वारा सामना किए जाने वाले शैक्षणिक तथा व्यक्तिगत मामलों की देख-भाल करता है। नवागन्तुक छात्रों का अन्य छात्रों के साथ औपचारिक परिचय कराने के लिए प्रकोष्ठ अभिमुखी कार्यक्रमों का संचालन करता है तथा प्रथम वर्ष के छात्रों की समस्याओं को दिनानुदिन आधार पर निपटारा करता है। प्रकोष्ठ के संकाय तथा स्टाफ सदस्य माता-पिता / छात्रों के साथ अंतर्क्रिया करते हैं तथा छात्रों के शैक्षणिक तथा समग्र प्रदर्शन को सुधारने के लिए उपायों को सुझाते हैं। प्रकोष्ठ के छात्र सदस्य, छात्रों की समस्याओं को करीब से जानने का प्रयास करते हैं तथा प्रभावशाली परामर्श हेतु प्रकोष्ठ की जानकारी में ले आते हैं। इससे उन छात्रों को मार्गदर्शित करने में सहायता मिलती है जो अन्यथा जी सी सी के साथ अंतर्क्रिया नहीं करते हैं।

आई आई आई टी डी & एम संकाय तथा स्टाफ

संस्थान की नामावली में कम्प्यूटर अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी, गणित , यांत्रिकी अभियांत्रिकी, तथा भौतिकी विषयों में एक प्रोफेसर तथा 19 सहायक प्रोफेसर हैं। आई आई आई टी डी & एम, कांचीपुरम आई आई टीज के अनुरूप ही संकाय भर्ती प्रक्रिया अपनाता है। डाक्टर की उपाधिधारक, उत्कृष्ट शोध-कार्य पृष्ठभूमि तथा प्रमाणित अध्यापन क्षमता वालों की ही भरती होती है। 2007 में संस्थान के प्रारम्भ से अब तक संकाय सदस्यों की भरती के तीन चक्र पूरे हो चुके हैं,पहला नवम्बर 2008 में तथा दूसरी बार जून 2009 में। रिपोर्टगत अवधि में चार संकाय सदस्यों की भरती हुई और उन्होंने आई आई आई टी डी & एम परिवार की सदस्यता ग्रहण की। रिपोर्टगत अवधि के दौरान नए जुड़ने वाले संकाय सदस्यों की संक्षिप्त रूपरेखा नीचे दी गयी है। विषय विशिष्ट संकाय रूपरेखा तालिका -12 में दी गयी है। संस्थान के तकनीकी तथा प्रशासनिक स्टाफ सदस्यों की सूची तालिका -13 पर दी गयी है। यांत्रिकी तथा इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विषयों में संस्थान की प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक तथा प्रशासनिक गतिविधियों में सहायता प्रदान करने के लिए संस्थान ने तकनीकी स्टाफ की भी भर्ती की है।

तालिका 12 आई आई आई टी डी & एम संकाय विवरण

क्रमांक	नाम	पद	विशेषज्ञता
1.	प्रोफेसर आर ज्ञानमूर्ति	निदेशक एवं प्रोफेसर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
2.	डॉ अरिवळगन ए	सहायक प्रोफेसर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
3.	डॉ बिन्सू जे कैलाथ	सहायक प्रोफेसर	इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी
4.	डॉ दामोदरन पी	सहायक प्रोफेसर	इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
5.	डॉ जयवेल एस	सहायक प्रोफेसर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
6.	डॉ कार्तिकेयन एस एस	सहायक प्रोफेसर	इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी
7.	डॉ मसिलमणि	सहायक प्रोफेसर	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
8.	डॉ नवीन कुमार	सहायक प्रोफेसर	भौतिकी
9.	डॉ नूर मुहम्मद एस	सहायक प्रोफेसर	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
10.	डॉ पांडिदेवन पी	सहायक प्रोफेसर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
11.	डॉ राजा वी	सहायक प्रोफेसर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
12.	डॉ रम्या	सहायक प्रोफेसर	इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी
13.	डॉ षडगोपन	सहायक प्रोफेसर	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
14.	डॉ सेल्वज्योति के	सहायक प्रोफेसर	इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी
15.	डॉ सेल्वराज एम बी	सहायक प्रोफेसर	इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी
16.	डॉ साहुल हमीद खान बी	सहायक प्रोफेसर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
17.	डॉ शालू एम ए	सहायक प्रोफेसर	गणित
18.	डॉ शिवसेल्वन बी	सहायक प्रोफेसर	कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी
19.	डॉ श्रीकुमार एम	सहायक प्रोफेसर	यांत्रिकी अभियांत्रिकी
20.	डॉ तापस सिल	सहायक प्रोफेसर	भौतिकी
21.	डॉ विजय कुमार एस	सहायक प्रोफेसर	गणित

तालिका 13 संस्थान प्रशासनिक तथा तकनीकी टीम

क्रमांक	नाम	पद
अ) प्रशासनिक स्टाफ		
1.	प्रोफेसर आर ज्ञानमूर्ति	निदेशक
2.	श्री ए चिदम्बरम	उप कुलसचिव
3.	पी राजकुमार	वरिष्ठ पुस्तकालय सहायक
4.	डॉ एस पाण्डियन	कनिष्ठ अभियंता
5.	श्री अगिलन	कनिष्ठ सहायक
6.	सुश्री एस राजलक्ष्मी	कनिष्ठ सहायक
7.	श्री एस सरवणन	कनिष्ठ सहायक
8.	सुश्री जी सुभाषिणी	कनिष्ठ सहायक
ब) तकनीकी स्टाफ		
1.	श्री गुरुनाथन सी	तकनीकी अफसर ग्रेड -1
2.	श्री पी एम श्रीराम भास्कर	जूनियर तकनीकी पर्यवेक्षक
3.	सुश्री एम एस के मणिमेगलै	जूनियर तकनीशियन
4.	श्री मणिगण्डन	जूनियर तकनीशियन
5.	श्री एम बालाजी राजा	जूनियर तकनीशियन
6.	श्री ए विघ्नेश्वरन	जूनियर तकनीशियन

आई आई आई टी डी & एम परिवार कांचीपुरम के नए सदस्य

03 अगस्त 2012 को डॉ षडगोपन नरसिंहम ने कम्प्यूटर अभियांत्रिकी विषय में सहायक प्रोफेसर के रूप में संस्थान की सदस्यता ग्रहण की। आई आई टी मद्रास से आपने कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में पी एच. डी किया है तथा शोध कार्य में उनकी रूचि के विषयों में कम्बिनोटोरिक्स, डेटा संरचनाएं , ग्राफ सिद्धांत तथा ग्राफ अलागरिथम शामिल हैं। आप पहले आई आई एस सी से पोस्ट डाक्टोरल सदस्य के रूप में तथा एस बी सी ई चेन्नै से सहायक प्रोफेसर के रूप में जुड़े रहे हैं।

22 अगस्त 2012 को इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विषय में सहायक प्रोफेसर के रूप में डॉ एम डी सेल्वराज ने संस्थान की सदस्यता ग्रहण की। आपने आई आई टी दिल्ली से इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में पी एच. डी की उपाधि प्राप्त की है तथा संस्थान से जुड़ने से पहले आप आई आई टी खड़गपुर में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। आपके शोध कार्य के क्षेत्र में बेतार / मोबाइल सम्प्रेषण शामिल है।

14 अगस्त 2012 को श्री जी रवि कुमार ने सहायक निबंधक के रूप में आई आई आई टी डी & एम परिवार की सदस्यता ग्रहण की। संस्थान में जुड़ने से पहले आप 27 वर्षों तक भारतीय वायुसेना से सम्बद्ध रहे हैं।

श्री एस वेंकटेशन ने आई आई आई टी डी & एम परिवार की सदस्यता सहायक निबन्धक के रूप में 27 सितम्बर 2012 को ग्रहण की। संस्थान से जुड़ने से पूर्व आप विभिन्न पदों पर भारत सरकार के कई संस्थानों में 18 वर्षों तक सेवा कर चुके हैं।

श्री वाई तेजोवदन ने 01 अक्टूबर 2012 को कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में आई आई आई टी डी & एम परिवार की सदस्यता ग्रहण की। संस्थान से जुड़ने के पूर्व आपने दिल्ली पब्लिक स्कूल सूरत तथा महिन्द्रा विश्व स्कूल में शिक्षक के रूप में तथा आन्ध्रा बैंक में सहायक प्रबंधक के रूप में कार्य किया है।

26 नवम्बर 2012 को श्री महेन्द्रकुंकु ने सहायक निबन्धक के रूप में आई आई आई टी डी & एम कांचीपुरम परिवार की सदस्यता ग्रहण की। आपको बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं गणना- कार्य , कराधान , लेखा-परीक्षा , स्टोर तथा पदार्थ प्रबंधन , परियोजना प्रबंधन तथा बजट बनाने में सार्वजनिक तथा निजी संगठनों में कार्य करने का 08 वर्ष का अनुभव है।

तालिका 11 2012-13 के दौरान भर्ती तकनीकी / प्रशासनिक स्टाफ सदस्य

स्टाफ का नाम	पद
श्री पी अलगुराज	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
श्री एम संगीत	कनिष्ठ इंजीनियर
श्री प्रभु एस	कनिष्ठ तकनीशियन
श्री एम अश्विन राज	कनिष्ठ तकनीशियन
श्री आर पार्थसारथी	कनिष्ठ लेखाकार
श्री कार्तिकेयन	कनिष्ठ सहायक
श्री आर बालाजी	कनिष्ठ परिचर

संकाय पदों पर नियुक्तियों राष्ट्रीय महत्व के अन्य संस्थानों की भांति ही एक चुनाव समिति जिसमें भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों से उच्च कोटि के शिक्षाविद सम्मिलित होते हैं, की सिफारिश के आधार पर तथा परिषद की मंजूरी से की जाती है। तकनीकी तथा सहायक स्टाफ पदों पर भरती प्रतियोगी के लिखित परीक्षा तथा / व साक्षात्कार में निष्पादन के आधार पर एक चयन समिति द्वारा किया जाता है जिसका गठन निदेशक द्वारा एम ओ ए में दिए गए निदेशों के अनुसार तथा जहॉ कहीं भी आवश्यक हो, परिषद की मंजूरी से किया जाता है। संस्थान द्वारा संकाय पदों , तकनीकी तथा प्रशासनिक स्टाफ पदों के लिए आवेदन -पत्र निमंत्रित किए गए हैं तथा भरती की प्रक्रिया प्रगति पर है, एवं आगे के विवरण आगामी रिपोर्ट में शामिल किए जाएंगे।

संकाय की उपलब्धियॉ

संकाय के सदस्य अपना शैक्षणिक कार्य करने के अतिरिक्त शोध एवं विकास कार्यों में लगे हुए हैं, प्रतिष्ठित सम्मेलनों तथा पत्रिकाओं की कार्यक्रम समितियों में निर्णायक की भूमिका अदा करते हैं, राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय महत्व के अन्य संस्थानों में आमांत्रित व्याख्यान देकर सहयोग करते हैं। रिपोर्टगत वर्ष के दौरान राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, जर्नलों में प्रकाशन की विस्तृत सूची, कार्यशालाओं का आयोजन तथा उनमें भाग लिया जाना तथा अन्य शैक्षणिक कार्य-कलापों में योगदान से संबंधित विवरण निम्नलिखित हैं:-

शोध-कार्य प्रकाशन

संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित / सह-लिखित पत्रिकाओं तथा सम्मेलन प्रकाशनों का संक्षिप्त विवरण तालिका 14 पर दिया गया है। तालिका के पश्चात् उनकी विस्तृत सूची दी गई है।

तालिका 14 शोध-कार्य प्रकाशन (2012-13)

क्रमांक	प्रकाशन का प्रकार	गणना
01	अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं	12
02	अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	16
कुल		28

पत्रिकाएं

- एक लटकाए हुए माइक्रो-तार में 3- ω मापन तकनीक का प्रयोग करते हुए सी यू ओ - डी आई जल नैनो - फ्लूइड्स का तापीय चालन , प्रयोगात्मक तापीय एवं द्रव विज्ञान , खण्ड 40 पृष्ठ 1-9 जुलाई 2012 - आर कार्तिक, आर हरीश नागराजन, बी राजा तथा पी दामोदरन।
- एक लटकाए हुए माइक्रो-तार में 3- ω मापन तकनीक का प्रयोग करते हुए द्रवों की तापीय चालकता की माप, तापीय भौतिकी अभियांत्रिकी (स्प्रिंगर प्रकाशन) खण्ड 21 नं 1, पृष्ठ 60-68 मार्च 2012 - आर कार्तिक , आर हरीश नागराजन, बी राजा तथा पी दामोदरन।
- स्टिकर पी प्रणाली, प्राकृतिक गणना शोध कार्य का अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल (आई जे एन सी आर) खण्ड 3 अंक ।, 2012-वी मसिल मणि, ए एस प्रसन्ना एवं डी जी थामस।
- ^{40}Ca तथा ^{48}Ca में जायंट रिसोनैन्स, भौतिकी, रेव, सी 87,024303, 201, आई - एम आर एन्डर्स, एम श्लोमो, तापस सिल, डी एच यंगब्लड, वाई डब्ल्यू लुई तथा कृषिचयन।
- समय आधारित एनहारमोनिक दोलक के फिनवर्ग होरोडेकी समीकरण के बिल्कुल ठीक हल - प्रमाना 80 (31) 2013, आई एफ ; 0.575- पी के बेरा तथा तापस सिल।
- क्वांटम यांत्रिक समस्याओं में होमोटोपी गड़बड़ी विधि, अनुप्रयुक्त गणित और गणना 219, 3272, 2012, आई एफ ; 1.373 ।
- विभिन्न भूमिति के सौर्य ऊर्जा कुकरों के लिए बाह्य ऊर्जा आधारित एकीकृत परीक्षण नयाचार - पुनर्नवीकरणीय ऊर्जा, 44, 457 - 462, 2012, आई एफ ; 3.2 - नवीनकुमार, जी विश्वनाथ, अनुराग गुप्ता।

- सौर्य डिब्बा जैसे कुकर के बाह्य ऊर्जा निष्पादन पर भार परिवर्तनों का प्रभाव, नवीनीकरण तथा दीर्घकालिक ऊर्जा का जर्नल, 4, 053125, अमरीकी भौतिकी संस्थान (ए आई पी), 2012, आई एफ; 1 .214 - नवीनकुमार, जी विश्वनाथ, अनुराग गुप्ता।
- ए मैच झेन्डर इन्टरफरोमीटर कानकैटिनेटेड फाइबर लूप मिरर बेस्ड गेन ईक्वलाइजेशन फिल्टर फर ऐन ई डी एफ ए , आप्टिक्स कम्युनिकेशन्स, 289, 92-96, 2012, आई एफ; 1 , 486-नवीन कुमार, के रामचन्द्रन।
- प्रेरकों के विकास में डीप फिल्म का लचीला व्यवहार - जर्नल ऑफ प्रोसीडिया इंजीनियरिंग, 41(2012) 1154-1161-एस उषा एवं एम श्रीकुमार ।
- एस एम ए प्रेरकों का प्रयोग करते हुए एक नए बायोमिमेटिक पम्प का डिजाइन - अप्लाइड मेकानिक्स तथा पदार्थ, खंड 110-116, पृष्ठ 2903-2910, 2012-के वी एस एस डी प्रशांत, एम श्रीकुमार ।
- रीकानफिगरेबुल रोबोट्स में संरचनाएं तथा गुण, पुस्तक अध्याय; रीकानफिगरेबुल मेकानिजम्स तथा रोबोट ।,525-534, स्प्रिंगर - वरलैग लंडन, आई एस बी एन -13 ; 978 -1447141402, 2012-बी माधवन, एम श्रीकुमार सम्मेलन।

सम्मेलनों

- छवि प्रसंस्करण में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, वेनिस. इटली अप्रैल 2012- डस्पाइलसिंग ऑन इसो अरैज- वी मैसिलमनी, डी के शिना क्राइस्टी, डी जी थॉमस।
- इसो अरैज स्लैसिंग ग्रामर सिस्टम, चतुर प्रणालियों तथा गणना कार्य में प्रगतियों, स्प्रिंगर 2013, पृष्ठ 157-167- डी के शिना क्राइस्टी, डी जी थॉमस।
- दिए गए छवि की गुणवत्ता का निर्धारण, वस्तु को अलगाने की विधि का प्रयोग करके, एक नए असंदर्भ छवि गुणवत्ता की माप - मशीन दूरदृष्टि तथा छवि प्रसंस्करण, कोयमबटूर, भारत, पृष्ठ 92-95 दिसम्बर 2012 - कंजर डे, वी मसिलमणि।
- वस्तुओं के सांख्यकीय गुणों का प्रयोग करते हुए, वस्तु विलगाव आधारित असंदर्भ छवि गुणवत्ता कदम - चतुर अंतर क्रियात्मक प्रौद्योगिकी तथा मल्टीमीडिया पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही - इलाहाबाद, भारत, मार्च 2013 - कंजर डे, वी मसिलमणि।
- कैप्टच की अभिकल्पना में एच सी आई परिदृश्य 2012, जे ई ई ई गणनात्मक मेधा पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, तमिल नाडु इंजीनियरिंग कालेज कोयमबटूर, दिसंबर 2012 सौम्या जैन तथा बी शिवसेल्वम ।
- सैगनैक तथा ए मैच झेन्डर इन्टरफरोनमीटर आधारित ई डी एफ ए की गेन फ्लैटनिंग - फाइबर ऑप्टिक्स तथा फोटोनिक्स पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (फोटोनिक्स 2012), दिसम्बर 10-12 2012, टी पो,17, आई आई टी मद्रास - नवीन कुमार, के बालचन्द्रन।

- सौर्य दिवस प्रकाशन - आप्टिकल फाइबर्स का प्रयोग करते हुए - फाइबर ऑप्टिक्स तथा फोटोनिक्स पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।(फोटोनिक्स 2012), दिसम्बर 10-12 2013, डब्ल्यू 3ए .6, आई आई टी मद्रास - नवीन कुमार, संकेत पाटिल।
- प्रेरकों के विकास में डीप फिल्म का लचीला व्यवहार - मेधावी संवेदकों तथा रोबोटिक्स पर अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी 2012 की कार्यवाही , 4-6 सितम्बर 2012, कूचिंग, मलेशिया-एस उषा एवं एम श्रीकुमार ।
- स्वपुनर्संरूपण रोबोटों के संरचनाओं तथा गुणों का अन्वेषण - पुनर्संरूपण यांत्रिकी तथा रोबोट पर द्वितीय ए एस एम ई / आई एफ टी ओ एम एम अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (रिमार 2012), 9-11-जुलाई चीन - माधवन बी , श्रीकुमार एम ।
- सहकारी विविधता प्रणालियों हेतु त्रिगुणित सहसंबंधित चयन संयोजन का निष्पादन विश्लेषण - आई ई ई ई, आई सी सी की कार्यवाही में , बुडोपेस्ट, हंगरी, 2013- आर स्वामिनाथन, एम डी सेल्वराज, राजर्षि राय।
- सहसंबंधित सेतुओं के साथ सहकारी विविधताओं हेतु एन बी एफ एस के भूल-चूक विश्लेषण-बेतार के लिए प्रणाली तथा नेटवर्क अभीष्टतम पर चतुर्थ नार्डिक कार्यशाला की कार्यवाही - फिनलैंड 2013 - आर स्वामिनाथन, एम डी सेल्वराज, राजर्षि राय।
- सहकारी विविधता प्रणालियों हेतु दुगुणित सहसंबंधित चयन संयोजन का निष्पादन विश्लेषण - आई ई ई ई , आई सी सी की कार्यवाही में, नई दिल्ली, 2013- आर स्वामिनाथन, एम डी सेल्वराज, राजर्षि राय।
- क्षारण तथा समुद्री वृद्धि रोकथाम के लिए ठोस नियंत्रक तथा पावर माड्यूल की अभिकल्पना - औद्योगिक तथा सूचना प्रणालियों पर सातवीं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में - आई सी आई आई एस 2012 , अगस्त 6-8, आई आई टी मद्रास, चेन्नै भारत 2012- मानस गंगोत्री, तिरु नागरी, पी के सुमिता, एस ए श्रीनिवास मूर्ति, डॉ के सेल्वज्योति, डॉ एस के नूरमुहम्मद।
- रूपांतरित पर्वतारोहण अन्वेषी अलागरिथम का प्रयोग करते हुए स्थायी चुम्बक समकालिक जनरेटर आधारित वायु ऊर्जा सम्परिवर्तन प्रणाली की अधिकतम पावर प्वाइंट ट्रैलिंग तथा ग्रिड संभरण- पावर इलेक्ट्रानिक्स पर आई ई ई ई, पांचवें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही नई दिल्ली, पृष्ठ 1-6 दिसम्बर 2012 - राजिन एम लिनस, पी दामोदरन।
- एक ठोस तथा उच्च निष्पादन क्षमता वाला बैंड - स्टाफ छन्ना जिसमें खुली हुई पूरक विवृत्त छल्ला अनुनादक का प्रयोग होता है -एन सी सी -2013 की कार्यवाही - आई आई टी दिल्ली, दिल्ली 2013 - के वी फणिकुमार तथा एस एस कार्तिकेयन।
- 65 एन एम तकनीकी में रजिस्टर फाइलों पर प्रक्रिया परिवर्तनों का अन्वेषण - आइसवेन्ट की कार्यवाही – 2013 त्रिभुवन मलै -2013 - एम अरुल वाणी, एस एस कार्तिकेयन तथा एन नीलिमा।

आमंत्रित व्याख्यान

- 01 मार्च 2013 को आर एम के इंजीनियरिंग कालेज चेन्नै में आयोजित कम्प्यूटर विज्ञान में शोध कार्य प्रवृत्तियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में - छवि गुणवत्ता माप पर डॉ वी मैसिलमनी ने एक परिचायक व्याख्यान दिया।
- 19 मार्च 2013 को वेलम्माल इंजीनियरिंग कालेज चेन्नै में आयोजित वी एल एस आई तथा छवि प्रसंस्करण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में - आकलित टोमोग्राफी - पर परिचायक व्याख्यान।
- 23 फरवरी 2013 को अपोलो इंजीनियरिंग कालेज चेन्नै में आयोजित अलागरिथम अभिकल्पना पर अतिथि व्याख्यान।
- उपकरणीकरण एवं नियंत्रण इंजीनियरिंग विभाग एन आई टी तिरुच्ची द्वारा आयोजित एस टी टी पी में 15 जून 2012 को डॉ श्रीकुमार ने तीक्षण पदार्थों तथा प्रेरकों पर एक व्याख्यान दिया।
- 15 सितंबर 2013 को अपोलो इंजीनियरिंग कालेज चेन्नै में रोबोटिक्स, यांत्रिकी , नियंत्रण , संवेदन पर अतिथि व्याख्यान।
- यांत्रिकी अभियांत्रिकी विभाग आई आई टी मद्रास द्वारा आयोजित एक सप्ताह (14-18 जून 2013 की एस टी टी पी - विषय - रोबोटिक्स, यांत्रिकी , नियंत्रण , संवेदन , स्वप्न दृष्टि तथा मेधा - पर 14 जून 2013 को - रोबोटों की अभिकल्पना में तीक्षण प्रेरकों की भूमिका - पर व्याख्यान।
- 24 जनवरी 2013 को एस ए इंजीनियरिंग कालेज चेन्नै में आयोजित - तीक्षण पदार्थों - पर व्याख्यान।
- दिसम्बर 2012 में, अग्नि कॉलेज आफ टेक्नालजी में डॉ एम डी सेल्वराज ने - तार एवं छिद्रदार एन्टिनाज में अभिकल्पना - पर एक व्याख्यान दिया।
- मार्च 2013 में, अग्नि कॉलेज आफ टेक्नालजी चेन्नै में - हाइपरलैन एवं आई ई ई ई 802.11- पर अतिथि व्याख्यान।
- मार्च 2013 में, एस एस एस इंजीनियरिंग कॉलेज चेन्नै में - बेतार संप्रेषण में प्रगतियॉ - विषय पर आयोजित कार्यशाला में - सहकारी विविधता - नामक आमंत्रित व्याख्यान।
- संप्रेषण तथा सिग्नल प्रोसेसिंग (आई सी सी एस पी 2013), अप्रैल 2013 में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में - बेतार संप्रेषण - शोध कार्य परिदृश्य नामक परिचायक व्याख्यान।
- अब्दुल रहमान विश्वविद्यालय चेन्नै में डॉ एस कार्तिकेयन ने - माइक्रोवेव आई सी - पर अतिथि व्याख्यान दिया।

प्रवर्तित नए पाठ्यक्रम

- प्रमात्रा यांत्रिकी
- सांख्यिकीय यांत्रिकी
- आणविक भौतिकी
- उन्नत ज्यामितीय मॉडलिंग एवं सी ए डी

- बेतार संप्रेषण
- डिजिटल छवि प्रसंस्करण
- ग्राफिक कलाएं व्यावहारिक पाठ्यक्रम हेतु साफ्टवेयर आधारित प्रशिक्षण
- आर एफ तथा माइक्रो वेव सर्किट अभिकल्पना
- सिग्नल प्रोसेसिंग तथा आर एफ प्रैक्टिस

अन्य मान्यताएं

- पुनर्संरूपण यांत्रिकी तथा रोबोटों पर आयोजित द्वितीय ए एस एस ई / आई ई ई ई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 9-11 जुलाई 2012, टिनाजिन, चीन में डॉ एन श्रीकुमार ने भारत के प्रचार-प्रसार सभापति के रूप में काम किया।
- मई 2012 में , जनोवा विश्वविद्यालय इटली में ई एम आर ओ (यूरोपियन मास्टर आन एड्वान्सड रोबोटिक्स) में अतिथि प्रोफेसर के रूप में भाग लिया।

पूंजी समर्थित परियोजनाओं की सूची

क्रमांक	प्रधान अन्वेषक	परियोजना शीर्षक	अवधि (वर्ष)	राशि
1	डॉ राजा बी	लघु-चैनल ताप एक्सचेंजर के साथ उच्च ताप फ्लक्स डिवाइसेसे के लिए नेनो फ्लूइड कूलैंट का विकास	3	12,89,000
2	डॉ अरिवळगन	5 एक्सिस स्टेप - एन सी (ए पी-238) स्वतंत्र आकृति / अनियमित खाका तलों की यांत्रिकी	3	13,80,000
3	डॉ नवीन कुमार	वेव लेंथ इन्टरलिविंग तथा ताप संवेदक यन्त्रों हेतु सभी फाइबर इंटरफेरोनोमीटर की अभिकल्पना, विकास तथा गुण विवेचन	2	16,92,000
4	डॉ एस जयवेल	इलेक्ट्रानिक प्रणालियों में वर्धीकृत वायु प्रशीतन की अभिकल्पना, विकास तथा निष्पादन मूल्यांकन	2	15,05,000
5	डॉ एम डी सेल्वराज	ग्रामीण तथा दूर-दराज के क्षेत्रों में सर्वव्यापी ब्राडबैंड बेतार पहुंच	2	4000 यू के पौण्ड

संस्थान शोध-कार्य आरम्भीकरण अनुदान द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्रमांक	अन्वेषक	परियोजना का नाम	अवधि वर्ष	राशि
1	डॉ राजा बी	एक क्रीज ड्रायर का निष्पादन विश्लेषण तथा अभिकल्पना रूपांतरण : सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक अन्वेषण	2	5,00,000
2	डॉ श्रीकुमार	एस एम ए प्रेरित सूक्ष्म ग्रिपर की अभिकल्पना, विकास तथा नियंत्रण	2	5,00,000

शोध-कार्य तथा प्रयोगशाला अवसंरचना

स्थायी परिसर में स्थानांतरित होने के बाद, संस्थान के विभिन्न विषयगत प्रयोगशालाओं की संख्या में स्थिर बढ़ोत्तरी हुई है। प्रयोगशाला संकुल में अवस्थित प्रयोगशालाएं निम्नवत् हैं - मानव कम्प्यूटर अंतर्क्रिया प्रयोगशाला, प्रणाली प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला, डिजिटल प्रोटोटाइपिंग प्रयोगशाला (डी पी एल) यांत्रिकी विज्ञान प्रयोगशाला, पावर इलेक्ट्रानिक्स तथा ड्राइव्स प्रयोगशाला , सरकिट एवं प्रणाली प्रयोगशाला, ई-अभिकल्पना प्रयोगशाला, तरंग तथा वैद्युतचुम्बकीय प्रयोगशाला। ऊपर वर्णित प्रयोगशालाओं द्वारा केन्द्रित किए जाने वाले क्षेत्रों तथा अभ्यास सत्रों में काम पर लगे हुए छात्रों का संक्षिप्त वितरण निम्नवत् है-

(i) मानव कम्प्यूटर अंतर्क्रिया प्रयोगशाला- कम्प्यूटर अभियांत्रिकी विषय के अंगस्वरूप , इस प्रयोगशाला का उपयोग अभ्यास पाठ्यक्रमों के संचालन में किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों में

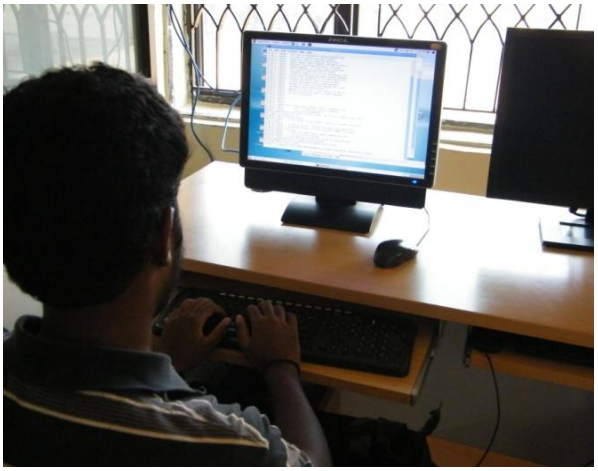

गणनात्मक अभियांत्रिकी, वस्तु अभिमुखी प्रोग्रामिंग, भाषा लेखन , साफ्टवेयर अभियांत्रिकी इत्यादि शामिल हैं। इस प्रयोगशाला का उपयोग उन पाठ्यक्रमों को पूरा करने में किया जाता है जो कम्प्यूटर अभियांत्रिकी के उन विषयों पर केन्द्रित है जिनसे सक्षम तथा प्रयोगयोग्य साफ्टवेयरों की अभिकल्पना एवं विकास में मदद मिलती है। मानव कम्प्यूटर अंतर्क्रिया उन तकनीकों पर ध्यान देती है जो सक्षम, प्रयोग योग्य तथा अधिगम योग्य साफ्टवेयर की अभिकल्पना पर केन्द्रित हैं। इस प्रयोगशालामें 21 कम्प्यूटर प्रणालियॉ उपलब्ध हैं जिनमें उच्चा कोटि डेल , निर्माण कार्य डेल, कार्य स्टेशन तथा डेस्कटाप प्रणालियॉ शामिल हैं। संस्थान के अभ्यास पाठ्यक्रमों की गणना - कार्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, नेटवर्क संरचना जैसे कि आई एस डी एन उपकरण, नेटवर्क वितरण स्विचेज, फायर वाल, व्यर्थ बेतार पहुँच नियंत्रक तथा एक फ्यूजित्सु विन्डोज सर्वर, आई बी एम डेबियन लाईनेक्स सर्वर उपलब्ध कराई गई है। हाल में ही संस्थान क्यूडा (कम्प्यूट यूनिफाइड डिवाइस आर्किटेक्चर) नामक निजीकृत सुपर गणना-कार्य सुविधा उपलब्ध कराया है जिससे कम्प्यूटर आर्किटेक्चर , उन्नत डेटा संरचनाएं / अलागरिथम , डेटा बेस प्रबंधन / ज्ञान अभियांत्रिकी, छवि प्रसंस्करण जैसे उन्नत पाठ्यक्रमों को पूरा करने में सहायता मिलती है।

(ii) कम्प्यूटर अभियांत्रिकी विषय के अंतर्गत आने वाले प्रणाली प्रोग्रामिंग प्रयोगशाला द्वारा कम्प्यूटर संगठन तथा माइक्रो प्रोसेसर्स , कम्प्यूटर आर्किटेक्चर, वी एल एस आई, डेटा स्ट्रक्चर , संरचना एवं अलागरिथम्स , संचालन-प्रणालियों, संग्रह अभिकल्पना, कम्प्यूटर नेटवर्क तथा अंत:स्थापित प्रणालियों इत्यादि पर अभ्यास पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। इस प्रयोगशाला की प्राथमिकता उन साफ्टवेयर प्रणालियों की अभिकल्पना तथा विकास है जो हार्डवेयर के साथ अंतर्क्रिया करती हैं। प्रयोगशाला में हार्डवेयर की अभिकल्पना तथा मॉडलिंग के साफ्टवेयर उपलब्ध हैं जैसे कि जाईलिनक्स एकीकृत अनुकृत वातावरण (आई एस ई) जाईलिनक्स अंत:स्थापित विकास किट (ई डी के) कैडेन्स ईलेक्ट्रानिक अभिकल्पना स्वचालन (ई डी ए) पूर्ण सूट। जाईलिनक्स स्पार्टन 3ई किटें , इंटरफेसिंग किटें , एम एस पी 430 अंत:स्थापित प्रणालियॉ किटें। प्रयोगशाला में 21 उच्च कोटि के कार्यस्टेशनों में लाइनक्स उद्यम का प्रयोग किया जाता है। लाइनक्स के ऊपर वर्णित विभिन्न अनुरूपण साफ्टवेयरों को संचालित करने में आधार के रूप में प्रयोग किया जाता है। इस प्रयोगशाला में एक शक्तिशाली छवि प्रसंस्करण कार्यस्टेशन भी है जिसे इन्टेक

X5690 6 कोर 3.47 गीगाहर्टस प्रोसेसर , 32 जी बी तथा 500 जी बी मेमोरी / स्टोरेज, एनविडिया क्वाड्रो 5000 2.5 जी बी दोहरे मानीटर का समर्थन प्राप्त है। प्रणाली का प्रयोग कम्प्यूटर की सहायता से वीर्य विश्लेषण जैसे परियोजना कार्य हेतु किया जाता है तथा इसका प्रयोग निगरानी तथा गहन गणनात्क कार्यों हेतु किया जाएगा।

(iii) तरंग तथा विद्युतचुम्बकीय प्रयोगशाला

तरंग तथा विद्युतचुम्बकीय प्रयोगशाला में विभिन्न चाक्षुष कौतुकों पर प्रयोग किए जाते हैं। चाक्षुष तरंगों की प्रतिक्रिया का अध्ययन विभिन्न प्रकार के अवरोध तथा डिफ्रैक्शन जैसे कि फ्रेसनेल बाई - प्रिज्म, लेजर ग्रेटिंग इत्यादि पर प्रयोग करके किए जाते हैं। तरंग मार्गदर्शी से होकर तरंग के प्रसरण का अध्ययन, चाक्षुष फाइबर पर विभिन्न प्रयोगों के द्वारा किया जाता है। लघु दोलनों तथा सम्बद्ध यांत्रिकी गुणों का अध्ययन करने के लिए भी प्रयोग किए जाते हैं। पी एच वाई 106 पी पाठ्यक्रम में पदार्थों (जैसे कि द्विवैद्युत प्रतिरोधण, चुम्बकीय प्रवृत्ति इत्यादि) की वैद्युत तथा चुम्बकीय गुण-धर्मों पर प्रयोगों का अध्ययन किया जाता है। दो वैद्युत पल्सों को एक दूसरे के ऊपर रखकर परिणाम जानने के लिए लिसाज्वायस आकृतियों का प्रयोग किया जाता है। प्रमात्रा यांत्रिकी पर कुछ प्रयोग किए जाते हैं जिससे ऊर्जा प्रमात्राकरण तथा प्राकश के आणविक स्वभाव के बारे में जानकारी मिलती है।

(iv) यांत्रिकी विज्ञान प्रयोगशाला, कार्यशाला विज्ञान तथा विनिर्माण तापीय अभियांत्रिकी, यांत्रिकी, मेट्रोलॉजी इत्यादि से संबंधित विषयों पर प्राथमिक एवं उन्नत अभ्यासों की सुविधा प्रदान कता है। विनिर्माण के परम्परागत मशीनों जैसे हाथ से चलाए जाने वाली खराद मशीन, ड्रिलिंग मिलिंग इत्यादि पर अभ्यास कराने के अतिरिक्त, छात्रों को सी एन सी खराद

मिलिंग इत्यादि में अनावृत किया जाता है। अभ्यास सत्रों के दौरान छात्रों को सी एम एम , 3 डी मुद्रकों, उच्च कोटि के कड़ापन परीक्षक , डिजिटल सूक्ष्मदर्शी खुरदुरापन परीक्षक इत्यादि में भी

अनावृत किया जाता है। कई वास्तविक समय प्रयोगों को करते हुए छात्रों को स्थितकी तथा गतिकी के विभिन्न पहलुओं पर अभ्यास किया जाता है। इंस्ट्रान टेन्साइल परीक्षण मशीनों, एस एम सी न्यूमैटिक्स , रोबोटिक किटों आदि की उपलब्धता छात्रों के यांत्रिकी ज्ञान को बढ़ाते हैं। रीति निर्मित परीक्षण रिगों का प्रयोग करके छात्र तापीय अभियांत्रिकी अभ्यास में अपना ज्ञान बढ़ाते हैं। विभिन्न प्रकार के तापीय यंत्र जैसे ताप आदान -प्रदान यंत्र, इंजन, प्रशीतकों , ब्लोअर, पंखों, ताप सिंको तथा फ्लूइड लो में अन्य आवश्यक पुर्जों का वास्तविक विश्लेषण किया जाता है।

(v) डिजिटल आदर्श प्रयोगशाला - (डी पी एल) का उद्देश्य विभिन्न अभिकल्पना चरणों जैसे कि अवधारणा अभिकल्पना, विस्तृत अभिकल्पना तथा विश्लेषण का अबाध समावेशन हेतु आवश्यक

सुविधाएं प्रदान करना तथा कौशल विकसित करना है। डी पी एल में 45 उच्च कोटि के कार्यस्टेशन है जो विभिन्न ड्राफ्टिंग , माडलिंग तथा अनुरूपण साफ्टवेयर को सहायता प्रदान करते हैं। कार्यस्टेशनों के अतिरिक्त डी पी एल में 20 वैकोम इन्टुओस, ग्रैफिक्स टेबलेट हैं जो अवधारणात्मक अभिकल्पना की रूपरेखा बनाने में अभिकल्पक की सहायता करते हैं। कार्यस्टेशन को इंटेल कोर 2 इ्युओ प्रोसेसर्स तथा विडियाक्वाड्रो एफ एक्स 1700 ग्रैफिक्स कार्ड शक्ति प्रदान करतेहैं। डी पी एल में कार्यस्टेशनों तथा ग्राफिक टेबलेट्स का वर्तमान समरूपण बहुत सारे स्नातकपूर्व तथा परास्नातक अधोलिखित कार्यक्रमों को चलाने हेतु पर्याप्त अवसंरचना प्रदान करता है- चित्रलेखन कलाओं में पाठ्यक्रम, उत्पाद अवधारणाकरण तथा मानस दर्शन, यांत्रिकी ड्राइंग, मशीन ड्राइंग, अनुरूपणआदि इस प्रयोगशाला में उपलब्ध हैं।

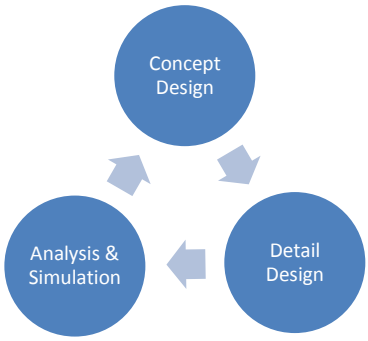

डी पी एल स्केच बुक प्रो, स्केच बुक डिजाइनर , कोरल ड्रा , आटोकैड , डबुल कैड एस टी, अन्वेषक , प्रो एगिनियर, क्रिओं, एडम्स, मेट लैब , अलगोर, एनसिस, माया, 3 डी मैक्स साफ्टवेयर से सुसज्जित हैं। छात्र लघु परियोजनाओं का क्रियान्वयन करके अभियान्त्रिकी अभिकल्पना में अनुरूपण साफ्टवेयर का व्यावहारिक प्रयोग सीखते है तथा अपने अभिकल्पना कौशल को चमकाते हैं। मई 2012 तक डी पी एल में विभिन्न पाठ्यक्रमों के कार्य-कलापों के अंगस्वरूप 19 माइलिंग लघु परियोजनाएं ,46 काइनमैटिक एवं डायनैमिक अनुरूपण परियोजनाएं , 51 फाइनाइट तत्व विश्लेषण परियोजनाएं छात्रों क्षरा निष्पादित की गईं।

(vi) शोध-कार्य प्रयोगशाला - संस्थान में एक समर्पित शोध-कार्य प्रयोगशाला है, जिसका उपयोग छात्र तथा वृत्ति-छात्र दोनों समान रूप से करते हैं तथा जिसमें प्रवेश निर्बाध है। प्रयोगशाला प्रारंभिक तथा उन्नत अभियांत्रिकी में नवोन्मेशी परियोजनाओं तथा शोध-कार्य समस्याओं को हल करने में सहायता तथा सुविधा प्रदान करता है। सुविधाएं जैसे कि वैश्विक परीक्षण मशीनें, कठोरता परीक्षक , स्कैनिंग इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी, माइक्रोस्कोप इमेजर, कोआर्डिनेट मापक मशीन, स्पटर कोटर इत्यादि उपलब्ध हैं। प्रयोगशाला में वित्तपोषित परियोजनाओं से संबंधित उपकरण भी उपलब्ध हैं। छात्रों को अनुमति है कि वे अपने प्रयोग से संबंधित प्रविष्टि एक पंजिका में करें तथा मशीनों का प्रयोग करें। वित्तपोषक अभिकरणों द्वारा उपलब्ध कराए गए सहायता अनुदान का प्रयोग करके, संकायों ने अपने -अपने शोध-कार्य क्षेत्रों में सुविधाओं को सीधे तौर पर उपलब्ध कराया है। कुछ का वितरण निम्नवत् है - प्रकाशीय वर्णक्रम विश्लेषक ,बंटने वाली मशीन, आल फाइबर केरक्टराइजेशन सुविधा, शीतल स्नान, फ्लो बायलिंग इन मिनी चैनल सुविधा, तापीय भौतिक गुण सुविधा इत्यादि।

संस्थान पुस्तकालय

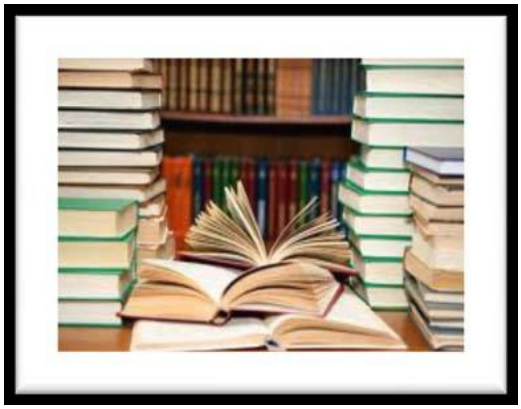

यद्यपि कि संस्थान का पुस्तकालय काफी नया है फिर भी इसमें आर एफ आई डी साफ्टवेयर कोहा का अधुनातम मुक्त स्रोत संस्करण उपलब्ध कराता है। साफ्टवेयर की सहायता से रोजमर्रा के लेने देन के कुशल प्रबंधन जैसे कि किताबों का जारी किया जाना, उनकी वापसी, प्रयोगकर्ता खाता प्रबंधन तथा साफ्टवेयर से होकर (आर एफ आई डी के साथ साफ्टवेयर) हार्डवेयर एकीकरण में परंपरागत डाटाबेस में भी पुष्ट है। पुस्तकालय में अभियांत्रिकी तथा उससे संबंधित अन्य क्षेत्रों की पुस्तकों का एक बड़ा संग्रह है। कुछ पुस्तकों के शीर्षक इस प्रकार है -प्रोग्रामिंग भाषाएं, मशीन अभिकल्पना, इलेक्ट्रानिक सरकिटें, इलेक्ट्रिकल मशीनें इत्यादि। पुस्तकालय में एक स्वचालित (पुस्तकालय तथा सूचना प्रबंधन) साफ्टवेयर कोहा का प्रयोग एकीकृत आर एफ आई डी प्रौद्योगिकी के साथ किया जाता है। सभी पंजीकृत प्रयोगकर्ता परिसर के भीतर कहीं से भी संस्थान पुस्तकालय का लैन / वाई फाई द्वारा लाभ उठा सकते हैं। पुस्तकालय में किताबों का एक उत्कृष्ट संग्रह है, मुद्रित जर्नल , पत्रिकाएं , प्रमुख समाचार -पत्र, ई-जर्नल तथा एन पी टेल पाठ्यक्रम सामग्री तथा वीडियो सामग्री उपलब्ध है। पुस्तकालय में संदर्भ ग्रंथों का एक अलग संग्रह है। पुस्तकालय में पुस्तकों के वर्गीकरण हेतु वैश्विक दशमलव वर्गीकरण (यू डी सी) प्रणाली तथा पुस्तक-सूची हेतु मशीन पठनीय पुस्तक-सूची (मार्क 21) स्तर का प्रयोग किया जाता है। संस्थान भारीतय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (अभियांत्रिकी विज्ञानों एवं प्रौद्योगिकी) (इन्डेस्ट) कनसोर्टियम के मूल सदस्यों में से एक है। लगभग 600 ई-जर्नलों, सम्मेलन कार्यवाहियॉ, स्तरों उदाहरणार्थ - आई ई एल (आई ई ई ई एवं आई ई ई) तथा एल्सवियर साइन्स डाइरेक्ट लिंक्स को अंशदान करता है। संस्थान पुस्तकालय द्वारा समर्थित / में उपलब्ध ग्रंथों तथा पुस्तकों की विस्तृत सूची तालिका 15 में दी गई है-

तालिका 15 में पुस्तकों के शीर्षक - सांख्यिकी

साधन	संख्या
पुस्तकों की कुल संख्या	2908
विगत वर्ष में खरीदी गई पुस्तकों की कुल संख्या 01 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013	749
जर्नल / पत्रिकाएं (मुद्रित आवृत्ति)	27
अखबार	05
सी डी -रोम / डी वी डी	182
शोध -कार्य एवं शोध-प्रबंध	56
ई-जर्नल - इन्डेस्ट संघ के माध्यम से अंशदान किया हुआ एल्सवियर साइन्स डाइरेक्ट 175 + आई ई ई ई एक्सप्लोर 415	590
मुफ्त	21

अवसंरचना विकास

स्थायी परिसर का विकास किया जा रहा है तथा निर्माण गतिविधियों का चरणबद्ध ढंग से पूरा किया जाता है जिसमें शैक्षणिक तथा छात्रों के निवास क्षेत्र से संबंधित भवनों को उच्च प्राथमिकता दी जाती है। मास्टर योजना में प्रशासनिक खण्ड, प्रयोगशाला संकुल , व्याख्यान भवन संकुल, भोजनालय, अतिथि-भवन, पारगमन छात्रावास, खरीददारी केन्द्र, चिकित्सा निरीक्षण कक्ष, पुरुष छात्रावास , कन्या छात्रावास, संकाय तथा स्टाफ के सदस्यों के लिए निवास स्थान, सभा भवन , इंडोर खेल-कुद संकुल, तरण-ताल के साथ , आउट डोर खेल के मैदान, जल-शोधन केन्द्र, मल-मूत्र शोधन प्लांट, उप स्टेशन, सड़क, बागवानी निर्माण-कार्य इत्यादि शामिल है। प्रथम चरण की निर्माण गतिवधियों में निर्मित क्षेत्र का आकार 1,42,000 वर्ग मीटर होगा। प्रशासनिक खण्ड तथा पुरुष एवं कन्या छात्रावासों के निर्माण-कार्य पहले से ही तीव्र प्रगति पर है तथा इनके कुछ महीनों में पूरा हो जाने की संभावना है। व्याख्यान भवनों तथा प्रयोगशाला संकुल के निर्माण का कार्य जमीन पर पहले से ही प्रारंभ हो चुका है तथा नींव निर्माण का कार्य प्रगति पर है। शेष निर्माण कार्य योजना के विभिन्न स्तरों पर चल रहे हैं और इनके आगामी महीनों में जमीन पर प्रारंभ किए जाने की आशा है।

निदेशक , डीन तथा निबंधक के कार्यालय प्रशासनिक खण्ड में अवस्थित है। श्रव्य तथा दृश्य सुविधाओं से सुसज्जित तथा बैकअप पावर से युक्त एक सीनेट सभा भवन भी प्रशासनिक खण्ड में अवस्थित है। व्याख्यान सभा भवन संकुल में स्थित सभी सभा भवनों में प्रोजेक्टरों की व्यवस्था है ताकि मल्टीमीडिया के साथ-साथ परंपरागत चाक तथा वार्तालाप दोनों रीतियों से अधिगम में आसानी हो। प्रोजेक्शन सुविधाओं को इस तरह से व्यवस्थित किया गया है कि वे श्याम-पट तथा प्रोजेक्शन उपकरण दोनों के एक ही समय में प्रयोग को सुविधाजनक बना सके। व्याख्यान सभा भवन संकुल में 60 से लेकर 200 तक व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाले विभिन्न प्रकार के व्याख्यान-भवनों का निर्माण किया गया है। कार्यालय , संकाय कक्ष, प्रयोगशालाएं तथा व्याख्यान सभा भवन में केन्द्रीयकृत यू पी एस लाइन की व्यवस्था है, जिसे जनरेटर की बैक-अप आपूर्ति उपलब्ध है। एक गोष्ठी भवन, जिसकी बैठक क्षमता लगभग 120 हैं का प्रयोग अतिथि व्याख्यानों, तकनीकी उत्सवों को आयोजित किया जाता है, सुविधाएं स्कंध में अवस्थित हैं।

छात्रों की दिनानुदिन आवश्यकताओं जैसे कि लेखन-सामग्री , जलपान गृह व्यायामशाला, शौक क्लब इत्यादि के लिए एक खरीददारी संकुल की अवस्थापना की गयी है जो कि इस स्कंध में स्थित हैं। संस्थान का वित्तीय कार्य-व्यापार इंडियन बैंक द्वारा किया जाता है तथा आई आई आई टी डी एण्ड एम परिवार तथा स्थानीय जनता के लाभ हेतु संस्थान के प्रवेश- द्वार पर एक ए टी एम को अधिकृत किया गया है। सन् 2011 में स्थायी परिसर में स्थानांतरित होने के पश्चात् अवसंरचना सृजन एक चरणबद्ध ढंग से किया गया। छात्रों तथा वृत्ति-छात्रों की आवश्यकताओं की स्थायी परिसर में शैक्षणिक तथा आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

अशोक, कमल तथा जैसमिन नाम के तीन छात्रावास सक्रिय है तथा उनमें 500 छात्रों के आवास की व्यवस्था है। वरिष्ठ बैच के छात्रों के लिए व्यक्तिगत कमरों की व्यवस्था की गई है जबकि प्रथम वर्ष के छात्रों को एक दूसरे के साथ रहने की व्यवस्था है। सभी छात्रावासों में रहने वाले छात्रों की भोजन-व्यवस्था का प्रबंध संस्थान स्थित भोजनालय द्वारा किया जाता है। आई आई आई टी डी एण्ड एम के छात्रों के मध्य विकसित होती हुई खेल-कूद संस्कृति को देखते हुए स्थायी परिसर में पूर्ण रूप से विकसित बास्केटबाल, बैडमिंटन कोर्ट्स, फुटबाल, नेट अभ्यास सुविधाओं वाले कांक्रीट पिच युक्त क्रिकेट मैदानों की व्यवस्था की गई है। रिपोर्टगत वर्ष के दौरान छात्रों को विभिन्न खेलों में प्रशिक्षित करने के लिए एक पूर्ण कालिक शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक की नियुक्ति की गई। छात्रावास प्रखण्ड में दो अतिथि कक्ष, वार्डेन कक्ष तथा छात्रावास कार्यालय अवस्थित है। एक आकस्मिक चिकित्सा सहायता केन्द्र द्वारा छात्रों तथा कर्मचारी समुदाय की आकस्मिक चिकित्सा आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है जबकि संस्थान ने मेसर्स चट्टिनाड स्वास्थ्य देखभाल, केलम्बाक्कम जो कि स्वास्थ्य सेवाओं हेतु एक विश्वसनीय संस्था है, से अनुबंध किया हुआ है। किसी आकस्मिकता से निपटने के लिए चौबीसों घण्टे एक अम्बुलेन्स की सेवाएं उपलब्ध है। शैक्षणिक, प्रशासनिक तथा छात्रों हेतु आवासीय क्षेत्र के स्थायी निर्माण कार्य पूरी जोर-शोर से चल रहे हैं तथा चरण-1 अवसंरचना का एक हिस्सा इस संस्थान को इस कैलण्डर वर्ष के अंत तक हस्तांतरित कर दिया जाएगा। इस चरण की अवसंरचना में प्रशासनिक कार्यालयों, संकाय कक्षों, प्रयोगशालाओं तथा शिक्षण कक्षाओं का निर्माण शामिल हैं। शैक्षणिक वर्ष 2013 से बी.टेक., एम.टेक. छात्रों की संख्या में वृद्धि होने के कारण निर्माणाधीन संरचना, छात्रों, स्टाफ तथा संकाय सदस्यों की जरूरतों को पूरा करेगी।

आई आई आई टी डी एण्ड एम कांचीपुरम अवस्थित स्थायी परिसर में पुरुष तथा कन्या छात्राओं की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्रमश: अशोक, बरगद तथा कमल छात्रावासों का निर्माण किया गया है। निर्माण कार्य गतिविधियॉ जिनमें प्रशासनिक, शैक्षणिक तथा छात्रावास भवनों का निर्माण शामिल है, पूरे जोर-शोर से चल रही हैं तथा आशा की जाती है कि आगामी कुछ वर्षों में ही आई आई आई टी डी एण्ड एम के सभी छात्रों को छात्रावासों में रहने हेतु स्थान की व्यवस्था हो सकेगी। वर्तमान में बरगद छात्रावास में लगभग 100 छात्रों के आवास की व्यवस्था है जबकि कन्या छात्रावास में इस समय 55 छात्राएं रहती हैं। दोनों छात्रावासों में सार्वजनिक कक्ष (पठन/मनोरंजन क्षेत्र) , वार्डेन कक्ष, ए सी युक्त अतिथि कक्ष तथा भोजन करने का 345 वर्ग मीटर क्षेत्र का बड़ा हाल जिसकी बैठक क्षमता 100 छात्रों की है, इन छात्रावासों में उपलब्ध है। छात्रावासों के निवासियों की चिकित्सा देख-भाल आवश्यकताओं की पूर्ति ड्यूटी चिकित्सकों तथा नर्सों से युक्त प्रतिष्टित मेडिकल कालेज चिकित्सालय की टीम द्वारा किया जाता है। छात्रावासों में अलग से एक आकस्मिक चिकित्सा देख-भाल (ई एम सी) ईकाई भी उपलब्ध कराई गई है। छात्रावासों में रहने वाले छात्रों की खेल-कूद संबंधी रूचियों को संतुष्ठ करने के लिए प्रत्येक छात्रावास में दो कांक्रीट बैडमिंटन कोर्ट्स की उपलब्धता कराई गई है। छात्रों की शिक्षणेतर, खेल-कूद गतिविधियों / रूचियों को ध्यान में रखते हुए छात्रों को गोष्ठी सभा-भवन तथा परिसर स्थित अन्य अवसंरचनाओं में सांस्कृति / तकनीकी प्रतियोगिताओं के संचालन हेतु कार्यालय कार्य-समय के समाप्त होने के पश्चात् भी प्रवेश की अनुमति दी जाती है।

धन्यवाद-ज्ञापन

प्रारंभ में, मैं अपने सभापति, प्रशासक मण्डल तथा मण्डल के अन्य सदस्यों को अपना समय देने, प्रयास करने तथा सही दिशा में मार्गदर्शित करने हेतु धन्यवाद देता हूँ। इस संस्थान के विकास में मण्डल के रचनात्मक सुविधाओं तथा आलोचनाओं का बड़ा भारी योगदान रहा है। संस्थान हेतु विविधतापूर्ण नए क्षेत्रों तथा परंपरागत प्रौद्योगिकी का विकास जो आधुनिक समय की जरूरतों की पूर्ति करेगी, इस संस्थान के उद्देश्य रहे हैं तथा ऐसा मूलत: मण्डल के सदस्यों के योगदान के कारण हैं। मैं सीनेट के सदस्यों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ, जिनमें इस संस्थान के संकाय सदस्य, आई आई टी मद्रास, आई आई टी गुवाहाटी, उद्योगों के विशेषज्ञ तथा राष्ट्रीय महत्व के अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के सदस्य शामिल हैं तथा जिनके प्रयासों से इस संस्थान के शैक्षणिक कार्यक्रमों को आकार देने में सहायता मिली। इस संस्थान द्वारा प्रस्तुत नवोन्मेषी कार्यक्रम तथा नए पाठ्यक्रम सीनेट सदस्यों के विचार-विमर्श तथा चर्चा के परिणाम है। आई ई टी मद्रास तथा अन्य आई आई टीज के संकाय सदस्यों ने संस्थान के शैक्षणिक मामलों तथा गतिविधियों में अपना पूर्ण योगदान दिया है तथा इसके लिए वे विशेष रूप से बधाई के पात्र हैं। जब तक यह रिपोर्ट पूरी होगी, तब तक इस संस्थान के छात्रों का तीसरा बैच

दीक्षित होकर जा चुका होगा तथा मुझे इस बात का पूरा यकीन है कि हमारा शिक्षा संस्थान अपने लिए शिक्षा संस्थानों के मध्य प्रतिष्ठा का स्थान ग्रहण करेगा तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी द्वारा समर्पित अभिकल्पना तथा विनिर्माण कौशलों से सुसज्जित आगामी पीढ़ी के शिल्पतंत्रियों को तैयार करने में भारत सरकार की स्वप्नदृष्टि तथा लक्ष्यों की पूर्ति करेगा। मैं आई आई आई टी डी एण्ड एम कांचीपुरम के निर्माण में नियुक्त केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण- कार्य विभाग की टीम के प्रभारी को अपना सच्चा तथा हृदयानुभूत धन्यवाद देता हूँ। मैं संस्थान के छात्रों, स्टाफ तथा संकाय सदस्यों को दिए जाने वाले धन्यवाद को अभिलिखित करना चाहूंगा। अंत में, लेकिन जो योगदान में किसी से कम नहीं है, मैं ठेकेदारों तथा मजदूरों जिन्होंने स्थायी परिसर के प्रारंभिक निर्माण चरणों के दौरान सुरक्षा, खान-पान, निर्माण तथा घरेलू देख-भाल में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कीं, को धन्यवाद देना चाहूँगा। समस्त संस्थान की तरफ से आप सभी को धन्यवाद। विगत वर्ष अपनी विभिन्न महत्वपूर्ण गतिविधियों/ उपलब्धियों के कारण ऐतिहासिक रहा है तथा मुझे इस बात का यकीन है कि आने वाले वर्षों में हम और भी अधिक ऊंचाईयों को प्राप्त करेंगे। जहॉ तक स्थायी परिसर के विकास का प्रश्न है, उसके प्रारंभिक कार्य के पूरा होने की दशा में, मैं आगामी वर्ष को, संस्थान की स्वप्न दृष्टि को आगे बढ़ाने वाले और अधिक कार्यक्रमों तथा उपलब्धियों के साथ, सम्बोधित करना चाहूँगा।

जय हिंद